E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 89 | प्रयागराज, शुक्रवार 12 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

होर्मुज फिर बंद

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन अटैक, पलटवार में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए हैं। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईः जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान

की सूचना नहीं है। 2. ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन मार गिरायाः तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। 3. होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमलाः ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए। 4. रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील कीः मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा। 5. कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचाः कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। होर्मुज स्ट्रेट के पास तेल टैंकर 'श्रु सेत्तेबेल्लो' पर हुए अमेरिकी हमले में 2 भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि जहाज का चीफ इंजीनियर अब भी लापता बताया जा रहा है। यह जानकारी फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने दी है। फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया के महासचिव मनोज यादव ने कहा कि जहाज से संपर्क स्थापित नहीं हो पा रहा है। उनके मुताबिक उपलब्ध जानकारी के अनुसार दो भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है, जबकि एक भारतीय, जो जहाज का चीफ इंजीनियर है, अब भी लापता है। यादव ने अमेरिकी नौसेना की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसे जहाज पर मौजूद भारतीयों और अन्य विदेशी नागरिकों की राष्ट्रीयता की जानकारी थी। उन्होंने कहा कि यदि जहाज ने किसी निर्देश का पालन नहीं किया था तो उसे हिरासत में लेना एक विकल्प हो सकता था। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने ओमान तट के पास 'एमटी सेत्तेबेल्लो' पर हुए हमले की निंदा की थी। मंत्रालय के अनुसार जहाज पर मौजूद 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि 3 भारतीय लापता बताए गए थे। भारतीय दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान की निगरानी कर रहा है।

भारतीय क्रू वाले जहाज पर लगातार दूसरे दिन हमला-ओमान के तट पर मौजूद था

तेहरान। ओमान के तट के पास गुरुवार को भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी जलवीर पर हमला हुआ है। हमले के बाद इस पर आग लग गई है। हमला किसने किया, इसकी

जानकारी नहीं मिली है। घटना के बाद भारतीय दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हालात पर नजर रखे हुए हैं। इससे पहले होर्मुज स्ट्रेट के पास बुधवार को तेल टैंकर 'एमटी सेत्तेबेल्लो' पर हुए अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों के मौत की पुष्टि हो गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि अब तक दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। इसे लेकर अमेरिकी सेना ने कहा था कि सेत्तेबेल्लो ईरानी तेल ले जा रहा था। उसने चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके बाद उस पर हमला किया गया। यह इस हफ्ते दूसरा मामला है जिसमें भारतीय क्रू वाले जहाज पर अमेरिका ने अटैक किया है। इससे पहले सोमवार को अमेरिका ने तेल टैंकर द मैरिवेक्स पर हमला किया था। उस जहाज पर भी 24 भारतीय नाविक सवार थे और सभी को ओमान की सेना ने सुरक्षित बचा लिया था। जैसे ही हमले का सायरन बजता, जहाज के सभी 22 कर्मचारी भागकर नीचे इंजन रूम में छिप जाते थे। बाहर आसमान में मिसाइलें, ड्रोन और फाइटर जेट चक्कर काट रहे होते थे और अंदर सब अपनी जान बचाने के लिए भगवान से प्रार्थना करते थे।रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच जब्त हुए ईरानी फंड (फ्रोजन एसेट्स) को जारी करने के तरीके पर बातचीत चल रही है। दोनों देश एक प्रारंभिक समझौते के करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं और इसी वजह से बातचीत तेज हो गई है। रिपोर्ट में तीन ईरानी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि दोनों देशों में बातचीत पूरी तरह बंद नहीं हुई है। वार्ता पर्दे के पीछे जारी है। बातचीत का सबसे अहम मुद्दा विदेशी बैंकों में फंसे ईरान के तेल राजस्व को जारी करना है। ईरान चाहता है कि उसे तुरंत 6 अरब से 12 अरब डॉलर तक की रकम मिल जाए, जबकि अमेरिका स्टेप बाय स्टेप तरीके से फंड जारी करने और उसका इस्तेमाल मानवीय जरूरतों तक सीमित रखने के पक्ष में है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पक्ष एक राजनीतिक ढांचे पर काफी हद तक सहमत हो चुके हैं, लेकिन फंड जारी करने की व्यवस्था और शर्तों पर अभी बातचीत जारी है।

अमेरिका का होर्मुज के पास ऑयल टैंकर पर मिसाइल अटैक, 3 भारतीय लापता, 21 बचाए गए

भारत ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास 'सेत्तेबेल्लो' नाम के ऑयल टैंकर पर मिसाइल हमला किया, जिससे जहाज के इंजन रूम में आग लग गई। इस टैंकर पर 28 क्रू मेंबर थे, जिनमें 24 भारतीय शामिल थे। हादसे के बाद 21 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 3 भारतीय अब भी लापता हैं।हमले के समय पलाऊ के झंडे वाला यह टैंकर ओमान के सोहार बंदरगाह से करीब 37 किलोमीटर दूर मौजूद था। इस घटना पर भारत सरकार ने कड़ी नाराजगी जताई है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन पर नजर रखे हुए हैं। लापता भारतीयों का पता लगाने की कोशिश जारी है। मामले की गंभीरता देखते हुए भारत ने नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी राजदूत (चार्ज द अफेयर्स) जेसन मीक्स को तलब किया है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किएः होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर गिरने के बाद अमेरिका ने ईरान पर जवाबी हमले किए। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि हेलिकॉप्टर ईरान ने गिराया था, जबकि तेहरान ने हर हमले का जवाब देने की चेतावनी दी। 2. ट्रम्प बोले- 2 हफ्ते में ईरान पर 'पूरी जीत' का ऐलान करेंगेः रिपब्लिकन रैली में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ईरान के खिलाफ बढ़त बनाए हुए है और अगले दो हफ्तों में 'टोटल विक्ट्री' घोषित करेगा। उन्होंने कहा कि इससे तेल की कीमतें भी नीचे आएंगी। 3. इजराइल की चेतावनी- जरूरत पड़ी तो फिर करेंगे हमलाः इजराइली सेना प्रमुख एयाल जामिर ने कहा कि हालिया ऑपरेशन सिर्फ शुरुआत थी। जरूरत पड़ने पर इजराइल ईरान पर और बड़े हमले करने के लिए तैयार है। 4. ट्रम्प-नेतन्याहू के रिश्तों में बढ़ी दूरीः ईरान-इजराइल तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू को चेताया कि संघर्ष बढ़ाने पर इजराइल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दोनों नेताओं के बीच मतभेद अब खुलकर सामने आने लगे हैं। 5. होर्मुज के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैशः एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर होर्मुज स्ट्रेट के पास समुद्र में गिर गया। दोनों पायलट सुरक्षित बचा लिए गए। अमेरिकी सेना ने पहली बार समुद्र में ड्रोन बोट का इस्तेमाल कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसे की जांच जारी है।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे,प्रदर्शनकारियों के निशाने पर प्रवासी

घर-दुकानें लूटीं; गाड़ियों में आग लगाई

लंदन। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में

शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। ?आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई। हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी। उसे ब्रिटेन में 2028 तक रहने की अनुमति मिल गई थी। प्रवासी विरोधियों परहिंसा भड़काने के आरोप-दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। कई प्रवासियों ने घर छोड़ा,नमाज रोकनी पड़ी- बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। सैंडी रो इलाके में सूडानी दुकानदारों ने दुकानें जल्द बंद कर दीं। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी। दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही रख सकता है अपना नया नाम

नाउरू। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा,

जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं। राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है। सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं। यूनेस्को नाउरू की मूल भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त मानता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 'नाओएरो' नाम अपनाने से भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश,21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही हैं। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर समेत सेना के सभी अधिकारियों और जवानों ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हेलिकॉप्टर हादसे पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट

की और कहा कि पूरा देश इन सैनिकों के बलिदान को सलाम करता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश इन बहादुर सैनिकों की कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने मृतकों के लिए प्रार्थना की और उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की। पीओके में प्रदर्शन को रोकने सेना तैनात-यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मुजफ्फराबाद और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त है। हाल के दिनों में वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। इसकी वजह यह थी कि एक विरोध आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था, जबकि स्थानीय सरकार ने उस संगठन पर आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। रविवार को क्षेत्र के पुंछ जिले की राजधानी रावलाकोट में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पीओके में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। साथ ही सरकार ने पूरे क्षेत्र के लिए सख्त यात्रा सलाह भी जारी की है। जो हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, वह एमआई-17 था। यह रूस में बना सैन्य हेलिकॉप्टर है। भारत समेत दुनिया के कई देशों की सेनाएं इसका इस्तेमाल करती हैं। सोवियत संघ के टूटने के बाद पाकिस्तान ने रूस से यह हेलिकॉप्टर खरीदे थे। बाद में पाकिस्तान ने इसके कई अपग्रेड वर्जन भी खरीदे। एमआई-17 का इस्तेमाल सैनिकों और सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने, राहत एवं बचाव अभियान चलाने, घायलों को निकालने और मुश्किल पहाड़ी इलाकों में सैन्य संचालन के लिए किया जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों और खराब मौसम में भी उड़ान भर सकता है। इस हेलिकॉप्टर में आम तौर पर 24 से 36 सैनिकों को ले जाया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर इसमें मशीनगन और रॉकेट जैसे हथियार भी लगाए जा सकते हैं।

केरलम में निपाह वायरस लौटा,हॉस्पिटल स्टाफ क्वारंटीन, राज्य में इस साल पहला केस, 8 साल में छठी बार संक्रमण

तिरुवनंतपुरम। केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी गुरुवार को सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य मंत्री वेः मुरलीधरन ने कहा, मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। अस्पताल के स्टाफ और उसके संपर्क में आए संभावित लोगों को क्वारंटीन रहने को कहा गया है। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में छठी बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक मरीज की जान चली गई थी।

तय किए जाएंगे। मलेशिया में लगभग 265 लोग संक्रमित हुए हुए थे। 100 से अधिक लोगों की मौत हुई। संक्रमण रोकने के लिए सरकार को 10 लाख से ज्यादा सूअरों को मारना पड़ा। इससे मलेशिया के पोर्क इंडस्ट्री को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। 1998-99 में पहली बार मलेशिया वेः सुंगाई निपाह गांव में इस वायरस की पहचान हुई। इसी गांव वेः नाम पर इसका नाम निपाह वायरस रखा गया। यह वायरस चमगादड़ से पैला था। चमगादड़ों से वायरस सूअरों तक पहुंचा। सूअरों के फार्म में काम करने वाले लोग संक्रमित हुए।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक,कर्नाटक सीएम शिवकुमार, तमिलनाडु सीएम विजय पहली बार इसका हिस्सा बने

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक हुई। इसमें सभी राज्यों और वेंद्र शासित प्रदेशों वेः मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, वेंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के अधिकारी शामिल हुए। हालांकि इस दौरान कर्नाटक सीएम शिवकुमार, बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी और तमिलनाडु सीएम विजय पहली बार शामिल हुए हैं। बैठक का मुख्य फोकस विकसित भारत-2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए समावेशी मानव विकास की रणनीति तैयार करना और उसे हर नागरिक तक पहुंचाना है। बैठक में मानव विकास, रोजगार, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पोषण, समान अवसर और डिजिटल गवर्नेंस जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर लागू करने और

राज्यों के विकास विजन को राष्ट्रीय विजन से जोड़ने की रणनीति पर भी मंथन। दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों वेः राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी विचार किया जाएगा। इस साल नीति आयोग की बैठक की थीम 'विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास' है। इसका मतलब 2047 तक हर उम्र, क्षेत्र, लिंग और सामाजिक-आर्थिक बैकग्राउंड से परे हर भारतीय तक विकास का लाभ पहुंचाना है। भारत 2047 में आजादी के 100 साल पूरे करेगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य तब तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए जीडीपी बढ़ाने के साथ मानव पूंजी को मजबूत करना, युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना, रोजगार बढ़ाना, महिलाओं और वंचित वर्गों को अवसर देना क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना भी जरूरी है। इसी वजह से नीति आयोग की बैठक में शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पोषण, उद्यमिता, रोजगार और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर विशेष चर्चा होगी, ताकि विकास का लाभ हर भारतीय तक पहुंच सके।

एमपी- भाजपा ने तीनों राज्यसभा सीट निर्विरोध जीतीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा ने तीनों राज्यसभा सीटों पर

निर्विरोध जीत हासिल कर ली है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को पार्टी उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, तरुण चुग और महेश केवट को निर्वाचन सर्टिफिकेट दे दिए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के खिलाफ पार्टी की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी थी। मामले पर चुनाव आयोग ने भी कोई फैसला नहीं दिया है। ऐसे में तीनों सीटों पर बीजेपी की जीत तय मानी जा रही थी। दरअसल, तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को नटराजन का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया था। इसके खिलाफ बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कांग्रेस के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में निर्वाचन आयोग से मुलाकात की थी। कांग्रेस की शिकायत पर आयोग की तरफ से कोई बयान नहीं आया था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूपी के दर्ज़न शहरों में आंधी-बारिश, 75 जिलों में अलर्ट, 3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

लखनऊ। यूपी में प्री-मानसून की बारिश का सिलसिला शुरू

हो गया है। बुधवार तड़के गोरखपुर, मेरठ, सहारनपुर, गोंडा, आजमगढ़, देवरिया, बलिया, फर्रुखाबाद, संभल, बिजनौर समेत 12 शहरों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। राजधानी लखनऊ और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप भी निकल रही है। लेकिन, हवा में नमी की वजह से गर्मी से कुछ राहत है। इससे पहले, बरेली में बुधवार देर रात 90 की रफ्तार से तूफान आया। जोरदार बारिश हुई। सड़कों पर करीब 2 फीट तक पानी भर गया। सैकड़ों पेड़, बिजली के खंभे और होर्डिंग्स गिर गए। पेट्रोल पंप की पूरी छत उड़ गई। पेड़ों की टहनियां टूटकर बिजली के तारों पर गिर गईं। इससे पूरे शहर की बिजली गुल हो गई। करीब 10 घंटे बाद बिजली सप्लाई बहाल की जा सकी। मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में आंधी, तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में ओले और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के मुताबिक, 24 घंटे के अंदर एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो जाएगा। इससे प्री-मानसून जोर पकड़ेगा। अगले तीन दिन तक मौसम का ऐसा ही मिजाज बना रहेगा। बुधवार सुबह नोएडा, गाजियाबाद और संभल में तेज हवा के साथ बारिश हुई। हालांकि, बाकी शहरों में तेज धूप निकली। आंधी-तूफान से चित्रकूट में 4.5 करोड़ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम की छत उड़ गई। इटावा में 100 की रफ्तार से आए तूफान में टिनशेड उड़कर महिला पर गिर गई। लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- 'यूपी में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इससे प्री-मानसून की गतिविधियों में तेजी आएगी। 15-16 जून तक आंधी-तूफान और बारिश का सिलसिला चलेगा। प्रदेश में मानसून अपने तय समय यानी 20 जून तक एंट्री करेगा। 10 दिन के अंदर पूरे यूपी पर छा जाएगा।'

देश की प्रगति में वरिष्ठ नागरिकों का मार्गदर्शन अमूल्य- भूपेश चौबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के

12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा, सुशासन और संकल्प अभियान के तहत सदर विधायक भूपेश चौबे ने क्षेत्र के प्रबुद्ध एवं वरिष्ठ नागरिकों से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ जनों के साथ संवाद स्थापित कर देश के विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि मोदी सरकार के सफल कार्यकाल के 12 वर्षों में देश ने विकास और जनविश्वास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अभियान के तहत विधायक ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कुसमाकर श्रीवास्तव, वरिष्ठ समाजसेवी मिठाई लाला सोनी तथा शिवशंकर गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान वरिष्ठ जनों ने देश की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। साथ ही उन्होंने समाज और क्षेत्र के विकास से जुड़े अपने अनुभव एवं सुझाव भी साझा किए। भूपेश चौबे ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, ज्ञान और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मानित लोगों के सानिध्य से जनसेवा के लिए नई प्रेरणा प्राप्त होती है और समाज के प्रति जिम्मेदारियों का बोध और मजबूत होता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सेवा, सुशासन और संकल्प की भावना के साथ कार्य कर रही है तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। वरिष्ठ जनों के सुझावों और आशीर्वाद के साथ क्षेत्र के विकास एवं जनता की सेवा का संकल्प और अधिक मजबूत हुआ है।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, विकास मिश्रा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग की लापरवाही से मासूमों और संविदा कर्मियों की जान जा रही- अविनाश कुशवाहा

सपा राष्ट्रीय सचिव अविनाश कुशवाहा बोले- जर्जर तार-खंभे ठीक नहीं हुए तो सपा करेगी उग्र आंदोलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक

अविनाश कुशवाहा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विभाग की घोर लापरवाही से आम जनता और संविदा कर्मियों की जान लगातार जोखिम में है। आए दिन लाइनमैन व अन्य संविदा कर्मियों की मौत हो रही है, लेकिन हर हादसे के बाद जांच-कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही स्मार्ट मीटर, महंगी बिजली और सरचार्ज से परेशान है। विभागीय भ्रष्टाचार के चलते खंभे मानक नहीं लिया। 9 जून को 11 हजार वोल्ट के लटकते तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय संदीप पुत्र रामआसरे की मौत हो गई। जनाक्रोश के बाद जेई और एसडीओ पर मुकदमा दर्ज हुआ। 25 मई को थाना कोन के संविदा लाइनमैन विनोद कुमार की भी करंट से मृत्यु हुई थी। उन्होंने मांग की कि विभाग तत्काल जर्जर तार-खंभे दुरुस्त कराए। भविष्य में कोई जनहानि हुई तो ठेकेदारों-अधिकारियों पर मुकदमा कर कठोर कार्रवाई हो, वरना सपा उग्र आंदोलन करेगी।

स्वीकृत / वितरण हेतु लम्बित आवेदन पत्रों पर गहन समीक्षा की गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरूवार को अपरान्ह

12.00 बजे मुख्य विकास अधिकारी महोदया की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गयी जिसपर महोदया द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के माह जून के लक्ष्य के सापेक्ष बैंक के स्तर पर स्वीकृत / वितरण हेतु लम्बित आवेदन पत्रों पर गहन समीक्षा की गयी। बैठक में एच0डी0एफ0सी0 बैंक के प्रतिनिधि के उपस्थित न होने पर अध्यक्ष महोदया द्वारा रोष व्यक्त किया गया तथा जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति को जिलाधिकारी महोदय के हस्ताक्षर से बैठक में उपस्थित न होने के सम्बन्ध में पत्र प्रेषित किया जाय। अध्यक्ष महोदया द्वारा बैठक में उपस्थित सभी बैंक के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि बैठक में प्रतिभाग करने हेतु अपने - अपने बैंक के नोडल अधिकारी नामित कर दे। अध्यक्ष महोदया द्वारा प्रतिवर्ष 27 जून को मनाये जाने वाले एम0एस0एम0ई0 दिवस पर योजनान्तर्गत शासन द्वारा आवंटित लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु सभी बैंकों को निर्देशित किया तथा जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक को इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने हेतु भी निर्देशित किया। भारतीय स्टेट बैंक के बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में आवंटित लक्ष्य को सत-प्रतिशत पूर्ति करने के सम्बन्ध में सकारात्मक दृष्टि रखते हुए पूर्ति करना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी बैंकों को प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि अनावश्यक रूप से आवेदन पत्रों को निरस्त न किया जाय । बैंठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक, बैंक आफ बड़ौदा, बैंक आफ इण्डिया यूको बैंक उदप्रद ग्रामीण बैंक स्टेट बैंक आफ इण्डिया, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक, यूनियन बैंक आफ इण्डिया, एक्सिस बैंक एवं आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित हुए।

थाना ओबरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता,नाबालिग किशोरी के अपहरण/बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की घटना का सफल अनावरण

अभियुक्त गिरफ्तार, अपहृता किशोरी सकुशल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक ओबरा सदानन्द राय के कुशल नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना ओबरा पुलिस द्वारा नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा अपहृता को सकुशल बरामद किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण-दिनांक 09.06.2026 को थाना ओबरा क्षेत्र की एक महिला द्वारा थाना ओबरा पर लिखित तहरीर देकर अवगत कराया गया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को सद्दाम कुरैशी पुत्र इकबाल कुरैशी निवासी गुरमा, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ0सं0-128/2026 धारा 87, 137(2), 65(1), 64(2)एम बीएनएस एवं 5एल/6 पॉक्सो एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।कृत कार्यवाही- मुकदमा पंजीकृत होने के उपरांत थाना ओबरा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अपहृता की तलाश एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई। तलाश एवं सुरागरसी के दौरान मुखबिर की सूचना पर बग्घानाला जिला पंचायत बैरियर के पास दबिश दी गई। पुलिस टीम को देखकर अभियुक्त भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए पकड़ लिया गया। अभियुक्त के कब्जे से अपहृता किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- 1. नाम - सद्दाम कुरैशी पिता का नाम - इकबाल कुरैशी उम्र - 23 वर्ष निवासी - गुरमा, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र। आपराधिक इतिहास का विवरण- 1. मु0अ0सं0-62/2023, धारा 60 आबकारी अधिनियम, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 2. मु0अ0सं0-235/2023, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार/अनावरण करने वाली पुलिस टीम-**1. उ0नि0 राम सिंह यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 नीरज राय, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 3. म0का0 दीक्षा तिवारी, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 4. रि0म0का0 सरिता सरोज, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।** सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है।

पंचायत निर्वाचक नामावली (अन्तिम मतदाता सूची)-2026 का प्रकाशन,जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया पंचायत निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत)

रायबरेली सरनीत कौर ब्रोका ने बुधवार को बताया है कि मा0 राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2025-26 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 के अनुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की ओर से निर्धारित प्रपत्र-7 में दिये गए प्रारूप पर सूचना प्रदर्शित करके जनपद रायबरेली के समस्त तहसीलों के अन्तर्गत समस्त कुल 980 ग्राम पंचायतों की पंचायत निर्वाचक नामावली (अन्तिम मतदाता सूची)-2026 का अन्तिम रूप से प्रकाशन आज 10 जून, 2026 को आयोग द्वारा निर्धारित स्थानों पर करा दिया गया है और नामावली की एक प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी/सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। जिलाधिकारी ने बताया है कि आज 10 जून, 2026 को प्रकाशित अन्तिम पंचायत निर्वाचन नामावली-2026 के अनुसर जनपद रायबरेली के समस्त ग्राम पंचायतों के कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या 1092780, कुल महिला मतदाताओं की संख्या 1011656 तथा कुल मतदाताओं की संख्या 2104436 हैं। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) सिद्धार्थ, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) विनायक शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना दुद्धी पुलिस को मिली बड़ी सफलता,अवैध संबंध के कारण हुई हत्या की घटना का सफल अनावरण, 48 घंटे के भीतर अभियुक्त गिरफ्तार

हत्या में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं आला कत्ल चाकू बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए

जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार रायङ के निकट पर्यवेक्षण में हत्या की घटना के शीघ्र अनावरण एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया। उक्त क्रम में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना दुद्धी पुलिस द्वारा हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए मात्र 48 घंटे के भीतर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं आला कत्ल चाकू भी बरामद कर लिया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक 09.06.2026 को वादी जय सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी महुअरिया, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र द्वारा अपने भाई समासिंह गोड़ की हत्या के संबंध में थाना दुद्धी पर मु0अ0सं0-169/2026, धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कराया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा घटना के शीघ्र अनावरण एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु विशेष निर्देश दिए गए थे। कृत कार्यवाही- थाना दुद्धी पुलिस द्वारा तत्परता एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विवेचना करते हुए घटना का सफल अनावरण किया गया। दिनांक 11.06.2026 को बघाडू-भीसूर रोड स्थित प्रथम पुलिया के पास से अभियुक्त राजेन्द्र विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया। दौरान अभियुक्त राजेन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि उसकी पत्नी का मृतक समासिंह गोड़ पुत्र मोहन गोड़, निवासी महुअरिया, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र के साथ अवैध संबंध था। वह कई बार मृतक को अपनी पत्नी से दूर रहने के लिए मना कर चुका था, किन्तु मृतक उसकी बात नहीं मानता था। इसी कारण वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान एवं आक्रोशित था। दिनांक 09.06.2026 को उसने योजनाबद्ध तरीके से मृतक को फोन कर लीलासी बुलाया। वहां दोनों ने शराब खरीदी तथा ग्राम मुरता स्थित खेमा नदी पुलिया के नीचे बैठकर शराब का सेवन किया। इसके पश्चात अभियुक्त ने अपने पास रखे चाकू एवं मौके पर पड़े पत्थर से हमला कर समासिंह गोड़ की हत्या कर दी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- 1. नाम - राजेन्द्र विश्वकर्मा, पिता का नाम - बब्बन विश्वकर्मा उम्र - 22 वर्ष निवासी - डुमरपान, थाना सोनवल, जनपद बलरामपुर, छत्तीसगढ़। बरामदगी का विवरण- 1. एक अदद मोटरसाइकिल संख्या यूपी64 बीबी 9969। 2. एक अदद घटना में प्रयुक्त आला कत्ल (चाकू)। गिरफ्तार/अनावरण करने वाली पुलिस टीम- **1. प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 भागीचन्द्र, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 महताब अहमद, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 खालिद खान, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है।**

अरैल घाट सेल्फी पॉइंट में जनमानस के स्वास्थ्य हेतु महिपत जन सेवा संस्थान की ओर से निः शुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अरैल घाट सेल्फी

पॉइंट नैनी में जनमानस के स्वास्थ्य हेतु आगामी 12वे

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सत्र में प्रातः काल आदियोगेश्वर एव महिपत जन सेवा संस्थान की ओर से निः शुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमे योगाचार्य डॉ दीप्ति योगेश्वर द्वारा योग का अभ्यास कराया गया ।संस्था के सचिव डॉ आनंद पाण्डेय ने बताया की इस वर्ष योगा फॉर हेल्थी एजिंग को मुख्य आकर्षण देते हुए बढ़ती उम्र के लिए विशेष अभ्यास कराया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ नवीन सोनी एव मेडिकल आफीसर डॉ अवनीश पांडेय,सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रोहित श्री प्रवीण श्री मनीष,ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने भी योग अभ्यास किया एव उसके लाभ बताए।कार्यक्रम में वृद्धजन के साथ बड़ी संख्या में युवा एव महिलाये शामिल थी।

आईएमएस नोएडा में मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान,करियर काउंसलिंग सत्र में विद्यार्थियों ने जानी उच्च शिक्षा की नई संभावनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में आयोजित करियर काउंसलिंग सत्र के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सत्र के दौरान दिल्ली एनसीआर के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर उच्च शिक्षा और करियर से जुड़ी नई संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में कक्षा 12 उत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक, शिक्षक और विद्यालयों के प्राचार्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक लोकेश वशिष्ठ ने बताया कि आज डिवाइन एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, मां सरस्वती इंस्टीट्यूट और कल्पा पब्लिक स्कूल सहित कई शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य, उभरते करियर विकल्पों और उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं से अवगत कराना था, जिससे वे अपने भविष्य को लेकर बेहतर निर्णय ले सकें। करियर काउंसलिंग सत्र में उच्च शिक्षा की नई संभावनाओं पर चर्चा करते हुए आईएमएस डीआईए के डीन प्रोफेसर डॉ. एम.के.वी. नायर ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और उद्योग जगत की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप करियर का चयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा युवाओं को ज्ञान, कौशल और नवाचार से जोड़ने का सशक्त माध्यम है, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है। वर्तमान समय में डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से अवसर बढ़ रहे हैं। इसलिए विद्यार्थियों को पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर नए और उभरते क्षेत्रों को समझना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सही मार्गदर्शन, व्यावहारिक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवा अपने करियर में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों, रोजगार के अवसरों, उद्यमिता, डिजिटल कौशल और भविष्य में मांग वाले प्रोफेशनल कोर्स के बारे में जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों ने भी अपने करियर से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से समाधान किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में मेधावी विद्यार्थियों को अचीवर्स अवॉर्ड प्रदान कर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

भागवत कथा नियमित रूप से सुनने से जीवन की सारी व्यथा दूर होकर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैंः यशोदानंदन जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वृन्दावन। श्री लड्डू गोपाल सेवा ट्रस्ट,हरिहर आ?श्रम वृन्दावन में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन महाराज जी द्वारा श्री कृष्ण के

मथुरा आगमन,कंश वध, गुरु कुल गमन, अपने माता-पिता तथा नाना को जेल से मुक्त कराना,उद्धव को वृन्दावन भेजना जहां उद्धव के ज्ञान का घमंड दूर करना और अंत में रूक्मिणी और कृष्ण के विवाह का प्रसंग विस्तार से सुनाया। दूर-दूर से आये श्रद्धालुओं जो विभिन्न प्रान्तों पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगलौर, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के श्रोताओं ने पूरे प्रसंगों को तन्मयता और उत्साह, उल्लास के साथ सुनकर आनन्द उठाया। वृन्दावन में जब कंश कान्हा कै मारने विफल रहा तो धनुष यज्ञ के बहाने से मथुरा बुलवाया। जब कृष्ण और बलराम मथुरा में लोगों को दर्शन दे रहे थे,तभी उन्हें पूर्व जन्म में मंथरा बाजार में घूमती दिखाई दी तब भगवान ने उसके कूबर को ठीक किया। दोनों भाईयों की छवि देख पूरे मथुरा वासी अपने को धन्य समझ रहे थे, उनके आगमन की जानकारी मिलते ही जो भी जिस दशा में था,बांके बिहारी के दर्शन के लिये दौड़ पड़ा। यज्ञशाला के सामने खड़े मदमस्त हाथी को वश में किया। यज्ञशाला पहुंच कर उन्होंने धनुष को दो खण्डों में तोड़ दिया। उसके बाद दोनों भाई कंश की राजसभा में पहुंचे जहां कंश अखाड़े में पहलवानों के मल्लयुद्ध देख रहा था,कंश जमीन पर पटककर उसके प्राण ले लिये और मथुरा पर कब्जा कर लिया। जेल से अपने माता-पिता और नाना को मुक्त कर मथुरा के राजसिंहासन पर बैठाया।एक दिन माता देवकी भगवान कृष्ण को भोजन करा रही थी, किन्तु भोजन न कर रोते जा रहे थे,तो उनके मित्र उद्धव ने उसका कारण पूंछा। कृष्ण ने बताया कि उन्हें माता यशोदा की याद आ रही है, उसके साथ बृज की गोपीयों,तथा बाल सखा की याद आ रही है तुम गोकुल जा कर वहां के हाल आकर मुझे बताओं। उद्धव जी बहुत ज्ञानी थे, उन्होंने कहा कि कल ही जाकर आपको सब कुछ बताता हूं। कृष्ण मुस्कराये और कहा कि उद्धव जाना तुम्हारे वश में है किन्तु लौटना तुम्हारे वश में नहीं है। भगवान ने अपनी लकुटिया पहना कर कहा कि इससे बृजवासी ही तुमको पहचानेंगे।उद्धव रथ पर सवार होकर बृजधाम को चल पड़े।वृजधाम पहुंचकर उद्धव दृश्य देखकर रो पड़े। उन्होंने देखा कि पूरा बृज कृष्ण के वियोग में दुःखी होकर रो रहे हैं,पूरा तालाब आंसुओं से भरा हुआ था । यशोदा मइया से मिले तो देखा कि वह अपना शुद्ध-बुध को चुकी है। यशोदा जी कान्हा के बचपन की कहानी सुनाई। कान्हा के बाल सखा रोज सुबह तैयार होकर गाय चराने के स्थान पर कान्हा के पास है।उद्धव जी का सारा ज्ञान प्रेम के आगे सब भूल गये,निरूत्तर हो गये, उन्होंने गोपियों को आश्वासन दिया कि वह शीघ्र ही कृष्ण को लेकर बृज में आयेंगे। लगभग छः माह बाद उद्धव मथुरा लौट आये। मथुरा आकर उन्होंने कृष्ण को गोपियों से किये गये आश्वासन के बारे में बताया और कहा कि आपको बृज चलना पड़ेगा। तब श्रीकृष्ण ने उन्हें दिखाया कि वह कभी भी बृज से दूर नहीं है और उद्धव ने देखा कि सभी बृजवासी पूर्व की भांति रोज काम काज निपटा रहे हैं।

आगे महाराज जी ने कहा बताया कि रूक्मिणी का विवाह उनके भाई शिशुपाल से करना चाह रहे थे किन्तु रूक्मिणी इससे सहमत नहीं थीं, उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र भेजकर अपनी कथा सुनाई और उनसे निवेदन किया कि वह अपनी शरण में ले ले।एक दिन रूक्मिणी मंदिर पूजा करने गयी तभी कृष्ण वहां आ गये और रूक्मिणी को अपने साथ मथुरा ले आये जहां विधिवत् विवाह सम्पन्न हुआ। महाराज जी के गाये गये भजन चोरी करन गयो श्याम, श्याम तेरे बिना तो हम मर जाएंगे,मइया को सुनईयो तेरा सुत बहुत दुखी पायो, उद्धव मन न भरे दस बीस, आदि भजनों पर श्रोताओं द्वारा आनंदित हो कर नृत्य करते रहे हैं।

सोनभद्र के शैडो एरिया होंगे से रोशन, जिलाधिकारी ने दूरसंचार कंपनियों के साथ बनाई कार्ययोजना,दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचेगी बेहतर मोबाइल कनेक्टिविटी

नेटवर्क विहीन ग्राम पंचायतों में नए टावर स्थापित करने की प्रक्रिया तेज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के दूरस्थ एवं नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में संचार सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में भी बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बीएसएनएल, एयरटेल, रिलायंस जियो सहित विभिन्न दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद का कोई भी गांव अथवा मतदेय स्थल संचार सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मोबाइल नेटवर्क आज केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं डिजिटल सेवाओं तक पहुंच का महत्वपूर्ण आधार है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद के 26 मतदेय स्थल ऐसे हैं जहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित दूरसंचार कंपनियों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र नेटवर्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जुगैल क्षेत्र में नेटवर्क गुणवत्ता सुधारने हेतु ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी विस्तार की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने बीएसएनएल अधिकारियों को बैठक में यह भी बताया गया कि कई ग्राम पंचायतों में नए मोबाइल टावर स्थापित किए जाने प्रस्तावित हैं। जिलाधिकारी ने नेटवर्क विहीन क्षेत्रों का सर्वे कर प्राथमिकता के आधार पर टावर स्थापना की कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन ग्राम पंचायतों में भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया लंबित है, वहां इसे समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बेहतर संचार व्यवस्था से न केवल आमजन को सुविधा मिलेगी, बल्कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में भी त्वरित सहायता उपलब्ध कराना संभव होगा। उन्होंने सभी विभागों एवं दूरसंचार कंपनियों को समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक निर्वाचन अधिकारी जगरूप पटेल सहित अन्य निर्वाचन से जुड़े और विभिन्न संचार एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन,जिलाधिकारी ने आयोजित समाधान शिविर में किया संवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विशेष जन-संपर्क

एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत अहिया रायपुर मलिन बस्ती में 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बस्ती का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बस्ती में निवास कर रहे लोगों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पेयजल, स्वच्छता, जल निकासी, आवास, विद्युत आपूर्ति एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बस्ती में साफ-सफाई की व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए तथा जलभराव एवं कूड़ा निस्तारण की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिए कि सभी पात्र परिवारों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए तथा सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने जनसुनवाई में आए प्रार्थी को तत्काल डिक्री कराई जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्राप्त एक प्रकरण में त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रार्थी को डिक्री जारी कराई गई। जनसुनवाई में तहसील सदर के ग्राम छिवलामऊ निवासी कंधई लाल पुत्र रज्जुलाल ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपने हिस्से की भूमि पर कब्जा दिलाये जाने का अनुरोध किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कंधई लाल का वाद उपजिलाधिकारी सदर न्यायालय में विचाराधीन था, जिसमें चिट्ठी बंटवारे की पुष्टि हो चुकी थी, किन्तु अब तक डिक्री जारी नहीं की गई थी। प्रार्थी की वृद्धावस्था को दृष्टिगत रखते हुए उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए स्वयं स्टाम्प शुल्क का वहन कर तत्काल डिक्री जारी कराई गई तथा उसकी प्रति प्रार्थी को उपलब्ध कराई गई। साथ ही, प्रकरण के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तहसीलदार को मौके पर इजराय की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रार्थी कंधई लाल द्वारा जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सदर के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का किया गया आयोजन

बाढ पीड़ितो का रेस्क्यू, सेना के जवानों एवं गोताखोर की मदद से खोज एवं बचाव कार्य, प्रभावित व्यक्तियों को मेडिकल कैम्प पहुंचाना एवं पीडितों के इलाज का मॉक एक्सरसाइज में रिहर्सल किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वाधान में गुरूवार को राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन तहसील सदर के वी0आई0पी0 घाट, किला घाट (नाव पलटने एवं डूबना), तहसील करछना के अरैल, (बाढ़ में फंसे लोगों को डूबने से बचाना), तहसील बारा के ग्राम-कंजासा, (अग्निकाण्ड से रोकथाम एवं बचाव), तहसील हण्डिया के जी0जी0आई0सी0 सैदाबाद (अग्निकाण्ड से रोकथाम एवं बचाव), तहसील मेजा ग्राम समहन (नदी कटान), तहसील सोरांव के फाफामऊ (बाढ़ में फंसे लोगों की निकासी) एवं तहसील फूलपुर के झूंसी (मेरूण्ड ग्राम में बाढ़ में फंसे लोगों की निकासी) में जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण द्वारा किया गया। मॉक एक्सरसाइज कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें अपर जिलाधिकारी, (वि/रा0) व टीम, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, समस्त उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार, चीफ वार्डन, उप नियन्त्रक नागरिक सुरक्षा व टीम, कमाण्डेंट जिला होमगार्ड व टीम, आर्मी व उनकी टीम, स्वास्थ्य विभाग व टीम,

पशुपालन विभाग व टीम, एस0डी0आर0एफ उत्तर प्रदेश टीम एवं एस0डी0आर0एफ0 मध्य प्रदेश टीम, 34, 42 एवं 4 बटालियन पी0ए0सी0, जल पुलिस व टीम, एन0सी0सी0 व टीम, आशा व ए0एन0एम0 तथा अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज में ई0ओ0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि बाढ़ के कारण तहसील सदर के वी0आई0पी0 घाट, किला घाट पर जल स्तर बढ रहा है और एस0डी0आर0एफ0, जल पुलिस, पी0ए0सी0 की दोनो टीम एवं आर्मी की टीम घटना स्थल पर तुरंत पहुंचे तथा बाढ पीडितो को रेस्क्यू का कार्य किया गया तथा सेना के जवानों एवं गोताखोर की मदद से खोज एवं बचाव का कार्य सम्पादित किया गया। जिसके पश्चात प्रभावित व्यक्तियों को मेडिकल कैम्प पर पहुंचाया गया एवं कैम्प पर मौजूद डॉक्टर द्वारा बाढ पीडितों का इलाज किया गया। जनमानस को डूबने से बचाव हेतु "क्या करें एवं क्या न करें" के बारे में दी गयी जानकारी- क्या करें:- तुरंत सहायता के लिये शोर मचाएं और आसपास के लोगों को सतर्क करें। 101 (फायर), 108 (एम्बुलेंस) या 112 (आपातकालीन सहायता) पर तुरंत काल करें। यदि आप तैरना जानते हैं और सुरक्षा साधन (जैसे लाइफ जैकेट, टायर ट्यूब, रस्सी आदि) उपलब्ध हैं, तो सावधानीपूर्वक मदद करें-बिना साधन के पानी में न उतरें। डूब रहे व्यक्ति की ओर तैरते समय पीछे से पकड़े ताकि वह घबराहट में आपको भी न डुबो दे। यदि व्यक्ति को निकाल लिया गया हो लेकिन वह बेहोश है तो यदि आप प्रशिक्षित हैं, सी0पी0आर0 (हृदय और श्वास पुनर्जीवन तकनीक) देने की कोशिश करें। व्यक्ति को गर्म और सूखी जगह पर रखें और तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।

भाजपा सरकार ने पी.डी.ए. आरक्षण में किया महाघोटाला-सपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट में आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग विरोधी है संवैधानिक रूप से पात्रों को मिलने वाले आरक्षण को उ0प्र0 सरकार द्वेष वश नहीं दे रही है। पी.डी.ए. वर्ग के बेरोजगार युवाओं के साथ अन्याय एवं उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। भाजपा सरकार के 10 वर्षों में पी.डी.ए. आरक्षण की जमकर लूट हुयी है आरक्षण लूट से कुल बाईस परीक्षायें प्रभावित हुई हैं जिसमें कुल पी.डी.ए. आरक्षित सीटों की लूट की संख्या 11514 है। 69 हजार शिक्षक भर्ती वर्ष 2019 जिसमें संवैधानिक रूप से ओ.बी.सी. वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए परन्तु उन्हें सिर्फ 3.86 प्रतिशत ही दिया गया ओ.बी.सी. आरक्षण की 23.14 प्रतिशत लूट हुई है। अनुसूचित जाति वर्ग को 21 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए परन्तु उन्हें सिर्फ 16.2 प्रतिशत ही आरक्षण दिया गया। अनुसूचित जाति वर्ग का 4.80 प्रतिशत आरक्षण लूटा गया अनुसूचित जनजाति वर्ग को 2 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए परन्तु उनको आरक्षण ही नहीं दिया गया उनके हक में मिलने वाले 2 प्रतिशत आरक्षण की लूट हुई है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट नें पी.डी.ए. वर्ग के 30 प्रतिशत घोटाले को सही माना है। उ0प्र0 सरकार ने वर्ष 2022 चुनाव से पूर्व यह स्वीकार किया था कि शिक्षक भर्ती में आरक्षण की लूट हुई है 6800 पदों की एक अतिरिक्त चयन सूची जारी की थी सबसे शर्मनाक यह है कि सरकार नें अनुसूचित

जनजाति वर्ग के 1133 पदों को खाली छोड़ दिया यदि उ0प्र0 सरकार की ही माने तो पी.डी.ए. वर्ग के 6800 व 1133 कुल 7933 पदों की लूट हुई है। इसी प्रकार वन और वन्य जीव रक्षक भर्ती वर्ष 2019 में 88 पद, बांदा एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी भर्ती वर्ष 2021 में 05 पद, एडेड यूनियर हाईस्कूल मास्टर/हेड मास्टर भर्ती वर्ष 2021 में 547 पद, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती वर्ष 2023 में 232 पद, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती वर्ष 2023 में 47 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ लिपिक एवं सहायक स्तर-।।। भर्ती वर्ष 2023 में 300 पद, प्रवर्तन कांस्टेबल भर्ती वर्ष 2023 में 34 पद, लखीमपुर को-आपरेटिव बैंक भर्ती वर्ष 2024 में 08 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. आशुलिपिक भर्ती वर्ष 2024 में 37 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती वर्ष 2024 में 434 पद, लेखपाल भर्ती वर्ष 2025 में 960 पद, पशु चिकित्सक भर्ती वर्ष 2025 में 81 पद, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती वर्ष 2025 में 55 पद, चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद) भर्ती वर्ष 2025 में 54 पद, चिकित्साधिकारी (होम्योपैथ) भर्ती वर्ष 2025 में 02 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. अमीन/नीलामकर्ता भर्ती वर्ष 2026 में 19 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. लिपिक सह टंकक भर्ती वर्ष 2026 में 09 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. सहायक कोषागार लेखाकार भर्ती वर्ष 2026 में 58 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. अधिशाषी अधिकारी भर्ती वर्ष 2026 में 13 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. सहायक चकबन्दी अधिकारी भर्ती वर्ष 2026 में 10 पद, यू.पी.एस.एस.एस.सी. कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती वर्ष 2026 में 588 पद कुल 11514 पद पी.डी.ए. विरोधी उ0प्र0 सरकार नें लूटे है। संवैधानिक रूप से ओ.बी.सी., एस.सी. एवं एस.टी. को मिलने वाले आरक्षण की अनदेखी कर पी.डी.ए. वर्ग के युवाओं को धोखा दिया गया है। प्रेस वार्ता में विधायक बछरावां श्याम सुन्दर भारती नें कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा पी.डी.ए. के साथ किया जा रहा सौतेला व्यवहार आगामी वर्ष 2027 के विधान सभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करेगा। उन्होनें कहा भाजपा सरकार संविधान के रास्ते बन्द कर तानाशाही कर रही है। पी.डी.ए. एक जुट होकर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनायेगा। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश सचिव डा.शशिकांत शर्मा,पूर्व प्रत्यासी आरपी यादव,चौ.सुरेश निर्मल,महासचिव मो.अरशद खान,जिला उपाध्यक्ष राजेश मौर्य,सुरजीत सिंह,शुभम लोहिया आदि द्वारा प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा की उ0प्र0 सरकार द्वारा पी.डी.ए. वर्ग के लोगों को जानबूझ कर बेरोजगार कर उनके परिवारों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

आंधी तूफान एवं वज्रपात से बचाव को लेकर जारी एडवाइजरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) मौसम केंद्र लखनऊ द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार जनपद प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्रों में दिनांक - 11.06.2026 से दिनांक- 13.06.2026 तक आंधी / तुफान, आकाशीय विद्युत, बारिश एवं तेज हवा की प्रबल संभावना व्यक्त की गई है, जिसके दृष्टिगत निम्न एडवाइजरी जारी की जाती है:- आँधी तूफान के दौरान सावधानियों हेतु क्या करें-1. टिन की छत, होर्डिंग, क्षतिग्रस्त मकान, पेड़, बिजली के खंभे एवं मोबाइल टावर से दूर रहें । 2. घर के बाहर या छत पर रखी हुई भारी वस्तुएं उड़ सकती हैं, इसलिये उन्हें बांधकर रख दें । 3. यात्रा कर रहे हैं तो सुरक्षित स्थान देखकर रुक जाएं। आँधी तूफान के दौरान सावधानियों हेतु क्या ना करें-1. धारदार एवं नुकीली वस्तुओं को खुले में ना रखें। 2. धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें एवं पेड़ की शरण में ना जायें। आकाशीय विद्युत के परिप्रेक्ष्य में सावधानियों हेतु क्या करें-1. पक्के मकान की शरण में चले जाएं। 2. खिड़की, दरवाजे एवं बरामदे से दूर रहें। 3. पेड़, मोबाइल टावर, बिजली के खंभों, कच्चे मकान, तालाब, जलाशय से दूरी बना कर रखें। 4. खराब मौसम में बच्चों को बाहर न खेलने दें, लोहे की खिड़की, दरवाजे व हैण्डपम्प आदि को न छुएं। 5. यदि खुले खेत में फंस गये हैं तो दोनों कानों को बंद कर पैरों को सटा लें तथा घुटनों का टेक ले एवं उकडू बैठ जाएं। 5. घरों में चलने वाले भारी विद्युत

उपकरणों को प्लग से अलग कर दें। 6. वर्षा, आंधी तूफान, आकाशीय बिजली एवं बदलते मौसम का सटीक पूर्वानुमान हेतु सचेत एप एवं दामिनी एप काइस्तेमाल करे। उक्त एप के माध्यम से प्रशासन, स्वयंसेवक तथा जागरुक लोगों द्वारा पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुचांकर आपदा से होने वाली क्षति को कम किया जा सकता हैं। उक्त एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है दामिनी ऐप एवं सचेत एप। आकाशीय विद्युत के परिप्रेक्ष्य में सावधानियों हेतु क्या ना करें- 1. पेड़ के नीचे ना खड़े हों। 2. दीवार के सहारे टेक न लगायें। 3. धातु युक्त नल एवं फ्रिज को ना छुएँ। 4. धातु से बने छाते का प्रयोग न करें। 5. घरों में चलने वाले भारी विद्युत उपकरणों को प्लग से अलग कर दें। 6. खुले वाहनों मे सवारी न करें, बचाव के लिए जमीन पर न लेटें तथा तैराकी या नौकायन न करें।

जिलाधिकारी के निर्देशन में आपदा से बचाव के लिए विशेष अभियान,जन-जन को किया जा रहा जागरूक, दुर्घटनाओं की रोकथाम पर जोर

जलाशयों एवं बांधों के किनारे चेतावनी स्लोगन स्थापित कर लोगों को किया जा रहा जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी के निर्देशन में बुधवार को जनपद के विभिन्न जलाशयों, बांधों एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जनसामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जलाशयों एवं बांधों के किनारों पर चेतावनी एवं जनजागरूकता संबंधी स्लोगनयुक्त सूचना पट्ट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को जल स्रोतों के समीप बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे स्लोगनों के माध्यम से लोगों को गहरे पानी में जाने, असुरक्षित स्थानों पर स्नान करने तथा जलाशयों के किनारे अनावश्यक रूप से जाने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही बच्चों एवं युवाओं को विशेष सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य संभावित डूबने की घटनाओं को रोकना तथा आपदा जोखिम को कम करना है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे चेतावनी संकेतों का पालन करें तथा स्वयं सुरक्षित रहते हुए दूसरों को भी जागरूक करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगवां, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरा तथा खलियारी स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई तथा मरीजों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। टीकाकरण व्यवस्था का लिया जायजा- मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीकाकरण सत्रों का निरीक्षण कर लाभार्थियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिलेखों का परीक्षण करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश- निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा मरीजों को बेहतर उपचार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नियमित निगरानी एवं व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने पर जोर दिया।

दिव्यांग छात्र की पीड़ा सुन भावुक हुए जिलाधिकारी,जिलाधिकारी ने तत्काल उपलब्ध कराई ट्राइसाइकिल, छात्रवृत्ति भुगतान के दिए निर्देश

मानवीय पहल से परिजनों की आंखों में छलके खुशी के आंसू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनसुनवाई के दौरान गौड़ ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारियों को छात्र को तुरंत ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिसके क्रम में जिलाधिकारी ने स्वयं अपने हाथों से रवि पटेल को ट्राइसाइकिल प्रदान की। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि छात्र की लंबित छात्रवृत्ति की धनराशि का तत्काल सत्यापन कर उसे उसके बैंक खाते में प्रेषित कराना सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी की इस संवेदनशील एवं मानवीय पहल से छात्र रवि तथा उसके परिजनों के चेहरे पर खुशी झलक उठी। ट्राइसाइकिल प्राप्त होने पर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उन्होंने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में की गई यह पहल प्रशासन की जनकल्याणकारी एवं संवेदनशील कार्यशैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनी।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के समक्ष मानवता और संवेदनशीलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला। जनसुनवाई में प्राथमिक विद्यालय बंजरिया के छात्र रवि पटेल पुत्र श्री कमलेश पटेल ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि वह दोनों पैरों से दिव्यांग है तथा कक्षा-5 की छात्रवृत्ति की धनराशि अभी तक उसे प्राप्त नहीं हुई है। दिव्यांग छात्र की स्थिति को देखकर जिलाधिकारी श्री

सोनभद्र में पीएसपी परियोजनाओं का विरोध तेज, हजारों हेक्टेयर भूमि और लाखों पेड़ों पर संकट, संदीप मिश्रा ने बुलंद की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में प्रस्तावित पंप स्टोरेज पावर (झ्झ्) परियोजनाओं को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और परियोजनाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। संदीप मिश्रा ने कहा कि वह वर्षों से 'पेड़ है तो प्राण है' अभियान चला रहे हैं, जबकि देश के प्रधानमंत्री 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। ऐसे समय में सोनभद्र की पहाड़ियों और जंगलों में हजारों पेड़ों की कटाई की तैयारी पर्यावरण और स्थानीय जीवन के लिए बड़ा खतरा है। किसान नौजवान संगठन मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने बताया कि सोनभद्र में विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रस्तावित पीएसपी परियोजनाओं के लिए कुल 3,147 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। इनमें ग्रीनको - 700 हेक्टेयर, जेएसडब्ल्यू - 575 हेक्टेयर, अडानी - 237 हेक्टेयर, अबाडा - 275 हेक्टेयर, अमुनोरा - 334 हेक्टेयर, टोरेंट सशनई - 375 हेक्टेयर, टोरेंट शोमा - 350 हेक्टेयर तथा टीएचडीसी - 301 हेक्टेयर भूमि शामिल है। ग्रामीणों का कहना है कि इन परियोजनाओं के कारण उनकी जमीन, जंगल, जल स्रोत और आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा। प्रभावित लोगों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपनी आवाज बुलंद की और परियोजनाओं की समीक्षा की मांग की। मौके पर मौजूद संदीप मिश्रा ने कहा, 'यह केवल जमीन का सवाल नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य, पर्यावरण और सोनभद्र की पहचान का सवाल है। किसानों और ग्रामीणों की आवाज जिला मुख्यालय से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक पहुंचाई जाएगी। किसी भी गरीब का आशियाना उजड़ने नहीं दिया जाएगा और न ही ऐसी परियोजनाओं को स्वीकार किया जाएगा जो जनता के हितों के खिलाफ हों।' ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित पीएसपी परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि उनके जीवन-यापन का मुख्य आधार है। उनका कहना है कि वर्षों से वे खेती-किसानी, पशुपालन और वन संसाधनों पर निर्भर होकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे हैं। परियोजनाओं के कारण उनकी जमीन, जंगल और जल स्रोत प्रभावित होंगे, जिससे आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन विकास के नाम पर जंगल, जल, जमीन और लोगों के अधिकारों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जा सकती। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ग्रामीणों के साथ खड़ा है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा। सवाल यह है कि क्या विकास की कीमत सोनभद्र के जंगल, पर्यावरण और हजारों ग्रामीणों का भविष्य होगा, या फिर सरकार और कंपनियां स्थानीय जनता की सहमति और हितों को प्राथमिकता देंगी? आज के कार्यक्रम में रामसूरत खरवार लक्षन खरवार योगेन्द्र विन्दू खरवार मुखलाल चेरो राधा पनिका गीता मनोज निषाद राजू पासवन व हजारों की सख्या में आदिवासी बनवासी परिवारि जन उपस्थित रहे।

सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्डकप आज से,पहली बार 12 टीमें और 33 मैच; भारत ग्रुप ऑफ डेथ में, 14 जून को पाकिस्तान से मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। 10वां विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होगा। पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। फाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा। इस बार 12 टीमें 24 दिनों में 33 मुकाबले खेलेंगी। यह अब तक का सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप होगा। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड है। टीम ने 2024 में पहली बार खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलिया 6 ट्रॉफी के साथ टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। भारत कभी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। टीम ने 4 बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में जगह बनाई है। भारत इस बार ग्रुप ऑफ डेथ में है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका जैसी टीमें हैं। भारत का पहला मैच 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान से होगा। 2009 में पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड में हुआ था। टूर्नामेंट में 8 टीमें शामिल थीं। मेजबान इंग्लैंड ही पहली चैंपियन बनी थी। शुरुआती 3 वर्ल्ड कप तक 8 टीमें खेलती थीं। 2014 से टीमों की संख्या बढ़कर 10 हुई। 2026 में पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इंग्लैंड 17 साल बाद वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट किस फॉर्मेट में खेला जाएगा? 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप ए और बी में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज में सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी। भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम का सबसे बड़ा मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से होगा। 21 जून को भारत और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। ग्रुप-ए को इस बार 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें हैं। भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। स्क्वॉड में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और श्रेयांका पाटिल जैसे खिलाड़ी हैं। पहली बार क्या हो रहा है? पहली बार 12 टीमें: यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का पहला एडीशन होगा। जिसमें 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले 10 टीमें खेली थीं। नीदरलैंड्स का डेब्यू: नीदरलैंड्स पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप खेलेगा। टीम ने ग्लोबल क्वालिफायर में चौथा स्थान हासिल कर टूर्नामेंट में जगह बनाई। भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है? भारत ने अब तक सभी 9 वर्ल्डकप खेले हैं। टीम 2020 में पहली और इकलौती बार फाइनल में पहुंची थी। उसे ऑस्ट्रेलिया ने हराया था।

भारत 4 बार सेमीफाइनल तक भी पहुंचा है। भारत ने टूर्नामेंट में 40 मैच खेले हैं। इसमें 22 जीते और 18 हारे हैं। उसका जीत प्रतिशत 55फीसदी रहा है। टूर्नामेंट के सभी 33 मैच इंग्लैंड के 7 मैदानों पर खेले जाएंगे। फाइनल लॉर्ड्स में और दोनों सेमीफाइनल द ओवल में खेले जाएंगे। मैच कितने बजे शुरू होंगे? टी-20 वर्ल्ड कप के सभी मुकाबले भारतीय समय के हिसाब से दोपहर 3 बजे, शाम 7 बजे और रात 11 बजे खेले जाएंगे। भारत के सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। खिताब का सबसे बड़ा दावेदार कौन? 6 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मजबूत दावेदार मानी जा रही है। भारत, साउथ अफ्रीका और मेजबान इंग्लैंड भी खिताब की दौड़ में हैं। भारत ने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप जीता है। टीम पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। वहीं, साउथ अफ्रीका पिछले तीन आईसीसी व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल खेल चुकी है। प्राइज मनी कितनी? आईसीसी ने इस बार रिकॉर्ड 87.64 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 83.74 करोड़ रुपए) की कुल प्राइज मनी घोषित की है। 2009 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप विनर को 2.34 मिलियन डॉलर (लगभग रु22.36 करोड़ रुपए) मिले थे।कहां देख सकते हैं टूर्नामेंट? भारत में दर्शक स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर वर्ल्ड कप के सभी मुकाबलों का लाइव टेलीकास्ट देख सकेंगे। इसके अलावा आईसीसी .टीवी भी टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग करेगा। एप पर भी मैच के लाइव अपडेट्स, रिकॉर्ड्स और मोमेंट्स पढ़े जा सकेंगे।

पहली बार तीन देश होस्ट करेंगे फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप,अमेरिका-कनाडा-मेक्सिको में 48 टीमों के बीच 104 मैच
नॉकआउट में 32 टीमें जाएंगी

स्पोर्ट्स डेस्क। 23वां फ़ीफ़ा मेंस वर्ल्ड कप 11 जून से 20 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। 96 साल के इतिहास में पहली बार तीन देश वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। ओपनिंग मैच 11 जून की रात 12.30 बजे को मेक्सिको सिटी में खेला जाएगा। इसमें मेक्सिको और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। 16 शहरों में 48 टीमों के बीच 104 मैच खेले जाएंगे। इन टीमों को 12 ग्रुप्स में बांटा गया है। हर ग्रुप में चार टीमें हैं। 16 की जगह 32 टीमें नॉकआउट स्टेज में पहुंचेंगी। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सहित दुनिया के 1,248 फुटबॉलर्स वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे। 2002 में जापान और कोरिया ने पहली बार मिलकर फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप होस्ट किया था। अब 3 देश अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको हैं। मेक्सिको पहला ऐसा देश है, जिसे तीन बार (1970, 1986 और 2026) मेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी का मौका मिला। पहली बार 48 टीमें खेलेंगी। 1998 से अब तक केवल 32 देश इसमें हिस्सा लेते थे। 16 शहरों में 104 मैच होंगे (पहले 64 होते थे)। फाइनल में पहली बार हाफटाइम शो भी रखा जाएगा। 16 की जगह 32 टीमें नॉकआउट खेलेंगी- 48 टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप में 4-4 टीमें हैं। ग्रुप स्टेज में हर टीम तीन मैच खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सीधे नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी यानी 24 टीमें। हर ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली 12 टीमों में बेस्ट 8 को भी अगले दौर में जगह मिलेगी। इस तरह 32 टीमें नॉकआउट में एंट्री करेंगी। नॉकआउट में 32 टीमों के मैच के बाद 16 टीमें बचेंगी, इनके मुकाबले के बाद 8 टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।इस नए फॉर्मेट के तहत टूर्नामेंट में कुल 104 मैच खेले जाएंगे, जो इसे फ़ीफ़ा इतिहास का सबसे बड़ा वर्ल्ड कप बनाता है। फ्रांस और स्पेन का ग्रुप मुश्किल-डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। स्पेन ग्रुप एच में है, फ्रांस ग्रुप आई में, जर्मनी ग्रुप ई में, पुर्तगाल ग्रुप के में और इंग्लैंड ग्रुप एल में है। ग्रुप एच, आई, जे, के और एल को ग्रुप ऑफ डेथ माना जा रहा है, क्योंकि इनमें मजबूत टीमें हैं। स्पेन के ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब जैसी टीमें हैं, जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में कई उलटफेर किए थे। फ्रांस के ग्रुप में सेनेगल और नॉर्वे जैसी मजबूत टीमें हैं। फ़ीफ़ा के अनुसार टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी स्कॉटलैंड के गोलकीपर क्रेग गॉर्डन हैं, जिनकी उम्र 43 साल 162 दिन है। सबसे युवा खिलाड़ी मेक्सिको के गिल्बर्टो मोरा हैं, उनकी उम्र 17 साल 240 दिन है। दोनों के बीच 25 साल से ज्यादा का अंतर है। इस वर्ल्ड कप में 20 साल से कम उम्र के 22 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 40 साल या उससे ज्यादा उम्र के 7 खिलाड़ी भी मैदान पर नजर आ सकते हैं। वर्ल्ड कप में चार देश पहली बार-काबो वर्डे (68 रैंक), क्यूरासाओ (82 रैंक), जॉर्डन (66 रैंक), उज्बेकिस्तान (50 रैंक) पहली बार वर्ल्ड कप में खेलेंगे। इसके अलावा, हैती 1974 के बाद पहली बार आया है। ऑस्ट्रिया, नॉर्वे और स्कॉटलैंड 1998 के बाद लौट रहे हैं। चैंपियन को मिलेंगे 429 करोड़ रुपए-वर्ल्ड कप 2026 में भाग लेने वाली 48 टीमों के बीच 5,600 करोड़ रुपए से ज्यादा (यूएसडी 655 मिलियन) की पुरस्कार राशि बांटी जाएगी, जो पिछले वर्ल्डकप की तुलना में 50फीसदी ज्यादा है। टूर्नामेंट की विजेता टीम को करीब 429 करोड़ रुपए (यूएसडी 50 मिलियन) मिलेंगे, जबकि उपविजेता को लगभग 283 करोड़ रुपए (यूएसडी 33 मिलियन) की राशि दी जाएगी। तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 249 करोड़ रुपए और चौथे स्थान की टीम को लगभग 232 करोड़ रुपए मिलेंगे।ब्राजील इतिहास की सबसे सफल टीम- फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप के इतिहास में ब्राजील सबसे सफल टीम है। ब्राजील ने रिकॉर्ड पांच बार (1958, 1962, 1970, 1994 और 2002) वर्ल्ड कप का खिताब जीता। जर्मनी और इटली ने चार-चार बार ट्रॉफी अपने नाम की। अर्जेंटीना तीन बार (1978, 1986 और 2022) चैंपियन बना। 1930 में हुई थी शुरुआत-फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत 1930 में उरुग्वे में हुई थी, जहां मेजबान उरुग्वे ने पहला खिताब जीता था। इसके बाद वर्ल्ड कप हर चार साल में होने लगा। द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1942 और 1946 में टूर्नामेंट नहीं खेला गया। शुरुआती सालों में टूर्नामेंट में सीमित टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन बाद 1998 से 2022 तक वर्ल्ड कप में 32 टीमें खेलती रहीं। अर्जेंटीना ने जीता था वर्ल्ड कप 2022-फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप 2022 का खिताब अर्जेंटीना ने जीता था। फाइनल मैच में अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। मैच में अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा 2 गोल दागे थे। वहीं फ्रांस के लिए एम्बाप्पे ने हैट्रिक लगाई थी। कहां देख सकते हैं टूर्नामेंट? फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप 2026 का ब्रॉडकास्ट भारत में जी एंटरटेनमेंट के नए लॉन्च किए गए यूनाइट8 स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। वहीं, टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग जी5 ऐप और इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। 12 अलग टाइम जोन में मुकाबले-मुकाबले भारतीय समानुसार 12 अलग-अलग समय में खेले जाएंगे। 12:30 एएम, 1:30 एएम, 2:30 एएम, 3:30 एएम, 4:30 एएम, 6:00 एएम, 6:30 एएम, 7:30 एएम, 8:30 एएम, 9:30 एएम, 9:30 पीएम और 10:30 पीएम।

क्रोएशिया टीम फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने अमेरिका पहुंची,रोनाल्डो वॉर्मअप मैच में गोल नहीं कर सके

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्रोएशिया की टीम अमेरिका पहुंच चुकी है। टीम ने वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र में अपना बेस कैंप बनाया है। लगातार दो वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची क्रोएशियाई टीम इस बार भी अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है। 40 वर्षीय लुका मोड्रिच और 37 वर्षीय इवान पेरिसिक टीम का हिस्सा हैं। दोनों ने 2018 में टीम को फाइनल और 2022 में तीसरे स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। मोड्रिच अपने करियर का पांचवां वर्ल्ड कप खेलेंगे और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 200 मैच पूरे करने के करीब हैं। क्रोएशिया ने कोच ज्लात्को डालिच पर भरोसा बरकरार रखा है। डालिच 2018 और 2022 वर्ल्ड कप में भी टीम के कोच थे। अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ टीम एक और सफल अभियान की उम्मीद कर रही है। क्रोएशिया का पहला मुकाबला इंग्लैंड से होगा। यह मैच 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की याद दिलाएगा, जब क्रोएशिया ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। बस में 40 घंटे सफर कर पहुंची ईरानी टीम; सपोर्ट स्टाफ को अमेरिका का वीजा भी नहीं मिला- न्यूयॉर्क। 'ईरानी फुटबॉल टीम फुटबॉल वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए मैक्सिको के तिजुआना पहुंच गई है। एक ऐसे सह-मेजबान देश (अमेरिका) में जाकर खेलना, जिसने उन पर युद्ध थोप रखा हो, ईरान के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। युद्ध की वजह से इस टीम का सफर बहुत दर्दनाक रहा है। मार्च में टीम को तेहरान से तुर्की बॉर्डर तक 40 घंटे का लंबा बस का सफर तय करना पड़ा था। हालात इतने मुश्किल थे कि 6 फुट 5 इंच लंबे गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवांड को अपने पैर फैलाने के लिए बस की फर्श पर सोकर सफर करना पड़ा था। कूटनीतिक तनाव, एरिजोना की भीषण गर्मी और वहां ईरानी दूतावास न होने के कारण टीम मैनेजमेंट ने अपना बेस कैंप अमेरिका से हटाकर मैक्सिको के तिजुआना में कर लिया, जो अमेरिकी बॉर्डर से बिल्कुल सटा हुआ है। ग्रुप जी में ईरान को अपने अहम मैच लॉस एंजिल्स और सिएटल में खेलने हैं। खिलाड़ियों और मुख्य कोच आमिर घलेनोई को तो वीजा मिल गया, लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने आतंकवादियों की घुसपैठ का हवाला देते हुए टीम के 13 सपोर्ट स्टाफ, विश्लेषकों और मीडिया अधिकारियों को वीजा देने से इनकार कर दिया।

ऑफिस एसी से हो सकता है डीहाइड्रेशन,समझें इसका साइंस, दफ्तर में चाय-कॉफी कम पिएं, ये 7 संकेत इग्नोर न करें

नयी दिल्ली। गर्मी और उमस के मौसम में ऑफिस का एसी राहत की सांस देता है। लेकिन यही ठंडा माहौल डीहाइड्रेशन की वजह भी बन सकता है। दरअसल एसी की ठंडक में प्यास का एहसास कम होता है, जबकि शरीर लगातार नमी खोता रहता है। अगर ऐसे में बार-बार चाय-कॉफी पी रहे हैं तो डीहाइड्रेशन का रिस्क और बढ़ जाता है। इसका नतीजा ये होता है कि दिन खत्म होते-होते सिरदर्द, थकान और सुस्ती महसूस होने लगती है। इसलिए डीहाइड्रेशन के शुरुआती संकेतों को पहचानना और समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- एसी का शरीर पर क्या असर पड़ता है? एसी से होने वाले डीहाइड्रेशन के क्या संकेत हैं? एसी में रहते हुए कितना पानी पीना जरूरी है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या बिना पसीना आए भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है? जवाब- हां, यह काफी कॉमन है। दरअसल एयर कंडीशंड वातावरण में शरीर पसीना नहीं बनाता है। इसके बावजूद शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- किडनी हर समय ब्लड को फिल्टर करके यूरिन बनाती रहती है। कम पानी पीने पर भी यूरिन बनता है। हालांकि, इसकी मात्रा कम और रंग गहरा हो जाता है। सांस छोड़ने पर हवा में कार्बन डाइऑक्साइड के साथ नमी भी जाती है। एसी या डाई एयर में यह लॉस ज्यादा हो सकता है। स्किन से हल्का पसीना हर समय निकलता रहता है, लेकिन यह मात्रा इतनी कम होती है कि दिखता नहीं है। इसे इनसेंसिबल वॉटर लॉस कहते हैं। डाइजेशन प्रोसेस में भी थोड़ा पानी खर्च होता है। इन सभी कारणों से बिना पसीना निकले भी डीहाइड्रेशन हो सकता है। सवाल- ऑफिस में एसी की हवा शरीर पर क्या असर डालती है? जवाब- एयर कंडीशंड कमरे की हवा ड्राई होती है। इसलिए स्किन और रेस्पिरेटरी सिस्टम से इवैपोरेशन बढ़ जाता है। इसे ट्रांसएपिडर्मल वॉटर लॉस कहते हैं। यही कारण है कि बिना पसीना आए भी डीहाइड्रेशन हो सकता है। पॉइंटर्स से इसे और डिटेल में समझिए-ठंडी हवा शरीर की ब्लड वेसल्स को सिकोड़ती (वेसोकॉन्स्ट्रिक्शन) है। इससे मसल्स में स्टिफनेस और सिरदर्द हो सकता है। लगातार ठंडी, ड्राई एयर में सांस लेने से नाक और गले की म्यूकस लाइनिंग सूखती है। इससे इरिटेशन या इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ता है। तापमान में बार-बार बदलाव (एसी से बाहर गर्मी में जाना) से शरीर की थर्मोरेगुलेशन क्षमता पर प्रेशर पड़ता है, जिससे थकान और असहजता महसूस होती है। सवाल- एसी में रहने से प्यास कम क्यों लगती है? जवाब- सामान्य तौर पर प्यास का एहसास तब बढ़ता है, जब शरीर का तापमान और पसीना बढ़ता है, लेकिन एसी के ठंडे माहौल में यह ट्रिगर कमजोर पड़ जाता है। इसलिए ब्रेन को यह संकेत ही नहीं मिलता कि शरीर पानी खो रहा है, उसे पानी की जरूरत है। ठंडा तापमान शरीर के थर्मोरगुलेशन प्रोसेस को धीमा करता है। इससे ब्रेन को बार-बार पानी मांगने का संकेत नहीं मिलता। पसीना भी कम निकलता है, इसलिए प्यास कम लगती है। भले ही बॉडी अंदर से धीरे-धीरे डिहाइड्रेट हो रही हो। कुछ कॉमन संकेतों से पहचान सकते हैं कि एसी की वजह से डीहाइड्रेशन हो रहा है। लो एनर्जी, सिरदर्द, थकान, ड्राई स्किन, होंठ फटना, आंखों में ड्राइनेस, गला सूखना। सवाल- क्या कम यूरिन या डार्क कलर यूरिन भी डीहाइड्रेशन का संकेत हैं? जवाब- हां, जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो किडनी पानी बचाने के लिए यूरिन को ज्यादा कॉन्सन्ट्रेटेड कर देती है। इसे विस्तार से समझिए- इस प्रक्रिया में एंटीडायय्यूरेटिक हॉर्मोन (एडीएच) की भूमिका होती है। यह किडनी को पानी रीएब्जॉर्ब करने का सिग्नल देता है। इससे यूरिन का कलर डार्क हो जाता है और उसकी फ्रीक्वेंसी भी कम हो सकती है। सवाल- किन लोगों के लिए लंबे समय तक ऑफिस एसी में बैठना ज्यादा रिस्की है? जवाब- कुछ लोगों के लिए एसी की ठंडी और ड्राई हवा शरीर पर ज्यादा नुकसानदायक हो सकती है। इन्हें डीहाइड्रेशन, एलर्जी और सांस से जुड़ी दिक्कतों का रिस्क रहता है। सवाल- क्या ज्यादा कॉफी-चाय पीने से भी डीहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ता है? जवाब- हां, ज्यादा मात्रा में कॉफी-चाय पीने से डीहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ सकता है। इन ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन डाययूरेटिक इफेक्ट पैदा करता ह।आमतौर पर दिन में 2-3 कप सेफ हैं। कॉफी-चाय डीहाइड्रेशन की अकेली वजह नहीं होती है। अगर एसी में लगातार कैफीन ले रहे हैं और पानी भी कम पी रहे हैं तो शरीर में फ्लूइड बैलेंस बिगड़ सकता है। इससे डीहाइड्रेशन हो सकता है। सवाल- एसी में कितनी मात्रा में पानी पिएं? जवाब- एसी में रहने पर प्यास कम लगती है। इसलिए पानी 'प्यास के हिसाब से' नहीं बल्कि प्लान करके पीना चाहिए। सामान्य तौर पर एक वयस्क को रोज 2-2.5 लीटर पानी पीना चाहिए। अगर लंबे समय तक एसी में हैं तो सांस और स्किन के जरिए हो रहे वॉटर लॉस के लिए 300-500 एमएल ज्यादा पानी पीना चाहिए। एक बार में ज्यादा पानी पीने की बजाय थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पीना चाहिए। इससे शरीर का फ्लूइड बैलेंस बना रहता है और डीहाइड्रेशन का रिस्क कम होता है। सवाल- पानी काफी है या इलेक्ट्रोलाइट्स भी लेने चाहिए? जवाब- ज्यादातर मामलों में सिर्फ पानी पर्याप्त होता है। इसे ऐसे समझें- एसी के ठंडे माहौल में मिनरल लॉस नहीं, फ्लूइड लॉस होता है। ऐसे में सामान्य हाइड्रेशन के लिए पानी ही काफी है। अगर कमजोरी, चक्कर या थकान महसूस हो रही है तो इलेक्ट्रोलाइट्स लेना फायदेमंद है।सवाल- क्या बीच-बीच में एसी हॉल से बाहर निकलना जरूरी है? जवाब- हां, छोटे-छोटे ब्रेक (5-10 मिनट) लेकर थोड़ी वॉक करना ब्लड सर्कुलेशन, आंखों और मानसिक ताजगी के लिए अच्छा है। लेकिन ये ध्यान रखें कि इससे शरीर को टेम्परेचर शॉक न लगे। लगातार ठंडे माहौल में रहने से शरीर का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम एक ही तापमान पर 'सेट' हो जाता है। इसलिए अचानक बहुत गर्म माहौल में जाने से शरीर को झटका लग सकता है। बाहर-भीतर के तापमान में बहुत अंतर न हो यानी धीरे-धीरे एक्सपोजर लें, ताकि शरीर आराम से एडजस्ट कर सके। सवाल- एसी के नुकसान को कम करने के लिए क्या सावधानियां बरतें? जवाब- कुछ आसान उपाय अपनाकर एसी से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। एसी में डीहाइड्रेशन से जुड़े मिथ और फैक्ट- मिथ- डीहाइड्रेशन सिर्फ गर्मी में ही होता है। फैक्ट- डीहाइड्रेशन ठंडे, एसी वाले माहौल में भी हो सकता है। मिथ- पसीना न आना मतलब शरीर में पानी की कमी नहीं है। फैक्ट- पसीना न आना यह साबित नहीं करता कि शरीर पूरी तरह हाइड्रेटेड है। खासकर एसी में पसीना कम होता है, लेकिन शरीर से पानी स्किन और सांस के जरिए लगातार निकलता रहता है। मिथ- ठंडे माहौल में ज्यादा पानी पीने की जरूरत नहीं है। फैक्ट- ठंडे या एसी वाले माहौल में प्यास कम लगती है, लेकिन शरीर से वाटर लॉस नहीं रुकता है, बस 'दिखता' कम है। इसलिए नियमित अंतराल पर पानी पीना जरूरी है। मिथ- एसी में शरीर की पानी की जरूरत कम हो जाती है। फैक्ट- एसी में प्यास कम लगती है, लेकिन शरीर की पानी की जरूरत कम नहीं होती कई मामलों में थोड़ी बढ़ भी सकती है।

क्या सिस्टम को तकनीक से जोड़ने भर से सब ठीक हो जाएगा?

डिजिटल माध्यमों पर भरोसा करती दुनिया में नीट की भविष्य की परीक्षाओं का (21 जून को होने जा रही परीक्षा का नहीं) कम्प्यूटराइज्ड होना शुभ संकेत है और साथ-साथ सिस्टम और जनता के संबंधों पर उस भरोसे का भी मरहम है, जो कमजोर पड़ता जा रहा है। लेकिन क्या सिस्टम को तकनीक से जोड़ने से सब ठीक हो जाएगा? क्या तकनीक भरोसे को बचा पाएगी? और फिर आइंदा लीक की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी? शायद हां, शायद नहीं! नीट परीक्षा को लेकर अभी भी कितने पैरेंट्स और परीक्षार्थी संशय की स्थिति में होंगे। नागरिकों के लिए यह जानना आसान नहीं होता है कि सरकार में उनके प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं, हालांकि वे उनके काम-काज पर नजर बनाए रखते हैं। चुने हुए जनप्रतिनिधियों को तो वोट की मदद से पद से हटाया जा सकता है, लेकिन सरकारी कर्मचारी या सिविल सर्वेंट्स चुने हुए नहीं होते और इस तरह के नियंत्रण से सुरक्षित रहते हैं। तब नागरिकों को सरकारी एजेंसियों और उनके कर्मचारियों पर भरोसा रखना पड़ता है कि वे उनके हित में ही काम करेंगे। लेकिन यह सत्य है कि सिस्टम तो उनके भरोसे को बचा नहीं पा रहा है। पेपर लीक की घटना ने यह प्रश्न हम सभी के सामने रखा कि आखिर क्या किया जाए, जिससे यह दुबारा न हो? जब भी कोई ईमानदार व्यक्ति इस्तीफा देता है, तो शिकायत यही होती है कि व्यवस्था ईमानदारी का साथ नहीं देती और इसी वजह से व्यक्ति खुद को हमेशा अलग-थलग समझने लगता है, जबकि चारों ओर खामियां ही खामियां हैं।

तो क्यों नहीं इस सिस्टम को समझा जाए और यह भी खंगाला जाए कि इस सिस्टम को और सुदृढ़ कैसे किया जा सकता है? इस संबंध में यह तर्क रहा है कि सरकारी अधिकारियों की सही भूमिका संरक्षक की होनी चाहिए, यानी एक प्रभावी और नैतिक प्रतिनिधि के तौर पर काम करके जनता का भरोसा जीतने की प्रशासक की इच्छा और उसकी क्षमता से लैस व्यक्तित्व। सिस्टम पर भरोसे को बचाए रखने के लिए सिर्फ एक कुशल और पेशेवर सिविल सर्वेंट होना ही नहीं काफी है, बल्कि न्याय और परोपकार के नैतिक मानदंडों से प्रेरित भी जरूरी है। हाल में यूपीएससी ने अपनी पीटी परीक्षा में ऐसे प्रश्न पूछे, जो मेन्स में पूछे जाने वाले एथिक्स के पेपर जैसे थे।

मानो पहले ही चरण में यूपीएससी अपने परीक्षार्थियों के नैतिक निर्णय लेने की क्षमता को परखना चाह रहा था। क्योंकि सिस्टम उन नैतिक निर्णयों से ही उस भरोसे को बनाए रख पाता है, जो लोकतंत्र का आधार है।

तो क्या 21 जून को होने वाली नीट और अन्य परीक्षाएं त्रुटिरहित हो पाएंगी और किसी भी तरह के लीक से सुरक्षित रहेंगी? क्या सिस्टम भरोसे को कायम रख पाएगा? क्या भविष्य की कम्प्यूटराइज्ड परीक्षा सिस्टम के नायकों की साख को और पारदर्शी बनाएगी? इसका उत्तर तो समय के ही पास है।

लेकिन यह तो निश्चित है कि सबकुछ संरक्षित करना, उस भरोसे को जीवित रखना अब इतना आसान नहीं होगा। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जिन समाजों में आपसी विश्वास कम होता है, वहां नैतिक मूल्य साझा नहीं किए जाते और इसलिए नैतिक सहमति का अभाव होता है। ऐसे समाजों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू लोगों के सामाजिक-राजनीतिक विश्वास में लगातार आ रही गिरावट है। यदि राजनीति खुशी और एकता का माहौल बनाए, राजनीति को सेवा के एक माध्यम के रूप में परिभाषित किया जाए और सिस्टम नैतिकता को बढ़ावा दे तो भरोसा एक बिल्कुल ही पारदर्शी रंग में नजर आएगा। सिस्टम में भरोसे को फिर से स्थापित करने के लिए तकनीक का तो सहारा लेना ही पड़ेगा, साथ ही व्यवस्था को चलाने वाले नायकों को भी उस ईमानदारी या सत्यनिष्ठा को अपनाना होगा, जिससे वे खुद को नैतिक दुविधा से बाहर निकाल सकें। नीट की कम्प्यूटराइज्ड माध्यम से होने वाली परीक्षा और यूपीएससी की पीटी परीक्षा में नैतिक प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न उस भरोसे को निःसंदेह मजबूत बनाएंगे।

नैतिकता का लोकेशन परिधि में नहीं बल्कि केंद्र में होता है और सिस्टम इसी के गुरुत्व से चलता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,नंदितेश निलय)

केवल दक्षिण ही नहीं, देश के हर कोने में घट रही है आबादी

योजनाओं को बेहतर ढंग से आकार देने के लिए हमें विश्वसनीय जनसंख्या अनुमानों की आवश्यकता होती है। किंतु अनुमानों के अनेक जोखिम और दुष्परिणाम होते हैं। 2011 की जनगणना पर आधारित यूएनडीपी के 2024 के अनुमानों के अनुसार भारत की जनसंख्या 2060 के दशक के प्रारम्भ में 1.7 अरब के शिखर पर पहुंचने वाली थी। किंतु हाल ही में जारी सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2024 के प्रजनन-दर संबंधी आंकड़ों पर आधारित नए अनुमानों से संकेत मिलता है कि भारत की जनसंख्या इससे कहीं पहले लगभग 1.6 अरब के पीक पर पहुंच जाएगी। यह 2060 के दशक में नहीं बल्कि 2040 के दशक के मध्य के आसपास होगा। इसके बाद इसमें गिरावट शुरू होगी, और संभवतः यह गिरावट उस गति से भी अधिक तीव्र होगी, जिस गति से जनसंख्या बढ़ी थी। एक निम्न-मध्यम आय वाला देश होने के बावजूद भारत का तीव्र जनसांख्यिकीय ट्रांजिशन अनेक समृद्ध देशों के अनुभव से मेल खाता है। हमारे सामने समृद्ध देशों जैसी चिंताएं तो हैं, पर उनकी समृद्धि नहीं है।89 लाख लोगों के नमूने पर आधारित एसआरएस 2024 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर- यानी एक महिला द्वारा अपने जीवनकाल में जन्मे गए बच्चों की औसत संख्या घटकर 1.9 रह गई है, जो जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक स्तर से नीचे है।

भारत के जनसांख्यिकीय अनुमान- जिन्हें स्वयं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने तैयार किया है- एक चिंताजनक कहानी बताते हैं। ये अनुमान संभवतः 10 करोड़ लोगों और कई दशकों तक की अवधि के संदर्भ में गलत सिद्ध हो सकते हैं। इसका दोष सरकार पर आता है, जिसने 2021 में जनगणना आयोजित नहीं की और उसके बाद वर्ष-दर-वर्ष उसे टालती रही। पिछली जनगणना 15 वर्ष पहले हुई थी। इसलिए सभी अनुमान एक पुरानी और अप्रासंगिक जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रहे हैं। इस प्रक्रिया में, भारत ने भविष्य के 10 करोड़ संभावित नागरिकों को मानो परिदृश्य से बाहर कर दिया है- इनमें वे युवा उपभोक्ता और कामगार भी हैं, जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने वाले थे और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने वाले थे। जिस डेमोग्राफिक डिविडेंड की हम लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे, वह अचानक विलुप्त होता प्रतीत हो रहा है। पुराने और अप्रचलित आंकड़ों पर आधारित भारत का जनसांख्यिकीय ट्रांजिशन इतनी तेजी से आगे बढ़ा है कि देश के आठ राज्यों में प्रजनन दर 1.5 या उससे भी कम हो चुकी है- जो स्कैंडिनेवियाई देशों के स्तर के समान है। अब जबकि हमारे पास नए आंकड़े उपलब्ध हैं, वे अनेक भ्रमों को दूर कर रहे हैं। एसआरएस 2024 की रिपोर्ट उस व्यापक धारणा का खंडन करती है, जिसके अनुसार भारत की प्रजनन प्रवृत्तियां देश को दो स्पष्ट रूप से भिन्न क्षेत्रों में बांटती हैं- कम प्रजनन दर वाले दक्षिणी राज्य और उच्च प्रजनन दर वाले उत्तरी राज्य। वास्तविकता यह है कि हिंदी पट्टी के केवल चार राज्यों को छोड़कर पूरे देश में प्रजनन दर रिप्लेसमेंट रेट से नीचे पहुंच चुकी है। सबसे कम प्रजनन दर वाले राज्य देश के विभिन्न भागों में फैले हुए हैं : उत्तर और उत्तर-पश्चिम में दिल्ली (1.2), जम्मू-कश्मीर (1.5), पंजाब (1.5) और हिमाचल (1.5); पूर्व और पूर्वोत्तर में बंगाल (1.3), ओडिशा (1.7) और असम (2.0); पश्चिम में महाराष्ट्र (1.5), गुजरात (1.8); दक्षिण में केरल (1.4), तमिलनाडु (1.3), आंध्र (1.5) और कर्नाटक (1.5)। जिन सभी राज्यों के लिए एसआरएस ने आंकड़े जारी किए हैं, वहां प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की गई है। इसलिए संभव है कि यदि सरकार परिसीमन की प्रक्रिया में 2011 की जनगणना के बजाय एसआरएस 2024 पर आधारित जनसंख्या अनुमानों का उपयोग करे, तब भी परिणामों में बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं होगा। फिर भी, सबसे नवीन उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग करना अधिक उचित होगा।संभावना है कि भारत इस सदी का समापन 1 अरब से कम जनसंख्या के साथ करेगा। वर्ष 2000 में भारत की जनसंख्या संरचना एक आदर्श पिरामिड के समान थी, जिसकी बुनियाद में बड़ी युवा आबादी थी और शीर्ष पर अपेक्षाकृत कम वृद्ध जनसंख्या।किंतु 2100 तक हमारे पास सिकुड़ी हुई बुनियाद होगी। नए आंकड़े अनेक भ्रमों को दूर कर रहे हैं। एसआरएस 2024 की रिपोर्ट उस धारणा का खंडन करती है, जिसके अनुसार भारत की प्रजनन प्रवृत्तियां देश को दो स्पष्ट रूप से भिन्न क्षेत्रों में बांटती हैं- कम प्रजनन दर वाले दक्षिणी राज्य और उच्च प्रजनन दर वाले उत्तरी राज्य। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरज कौशल)

हमारी शिक्षा की व्यवस्था में इतनी 'परीक्षाएं' क्यों हैं?

पहले नीट की परीक्षा रद्द हुई, फिर सीबीएसई के नतीजों और पुनर्मूल्यांकन की दिक्कतों ने छात्रों को रुला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने नीट के मामले में एनटीए को सख्त फटकार लगाई है। लेकिन हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था में जो बुनियादी खोट है, क्या उसकी ओर किसी का ध्यान है? कम से कम तीन प्रवृत्तियां ऐसी हैं, जो इस शिक्षा-प्रणाली को संकट में डालती हैं। पहली बात तो यह कि हमने परीक्षाओं को ही शिक्षा का पर्याय बना डाला है। शिक्षा बस परीक्षा देने के लिए रह गई है। जबकि शिक्षा के अनेक भ्रष्टाचार परीक्षा से ही शुरू होते हैं- कई विषमताएं भी। अच्छे और खराब स्कूल का फर्क, ट्यूशन, कोचिंग, पेपर लीक, नंबर बढ़वाने की कोशिश- यह सब न हो, अगर इम्तिहान न हों। लेकिन सवाल है, अगर परीक्षा न हो तो शिक्षा के मूल्यांकन का तरीका क्या हो। बच्चे पढ़ें क्यों और शिक्षक पढ़ाएं क्यों? दरअसल इसी सवाल से समझ आता है कि शिक्षा के उद्देश्य को हमने कितना सीमित कर डाला है- वह बस नंबर लाने का जरिया रह गई है। जबकि शिक्षा अपने-आप में एक स्वायत्त चीज होनी चाहिए- उसे बच्चों या छात्रों में सूचना, संवेदना और सरोकार के बीज रोपने चाहिए- इसी से वे ज्ञान और विशेषज्ञता की ओर भी बढ़ सकते हैं। शिक्षक जिम्मेदारी ले सकता है कि वह सुनिश्चित करे बच्चों ने कक्षा की पढ़ाई पूरी कर ली है और वे अगली क्लास की पढ़ाई कर सकते हैं। ऐसे में न कोई फर्स्ट आएगा न फेल होगा। फिलहाल शिक्षक महज एक एजेंट की भूमिका निभाता है, जो पहले से तय एक पाठ्यपुस्तक की जानकारी बच्चों के बीच इस तरह पहुंचा देता है कि वे उन्हें नंबरों में बदल सकें। लेकिन परीक्षा पर हमारी पूरी निर्भरता इतनी ज्यादा है कि हम इस दिशा में सोचने को भी तैयार नहीं हैं। शिक्षा का दूसरा संकट उसके अत्यधिक केंद्रीकरण की कोशिश है। कुछ अरसा पहले तक अलग-अलग राज्यों के बोर्ड ही अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के मुख्य जिम्मेदार होते थे, लेकिन धीरे-धीरे वे लगभग अप्रासंगिक हो चले हैं और बस साधनहीन, हाशिए पर पड़े बच्चों के सरकारी स्कूलों के काम आ रहे हैं। जबकि नीचे से ऊपर तक एक राष्ट्र एक शिक्षा की भ्रामक अवधारणा इस तरह फैली है कि लगता है कि इससे शिक्षा में समानता आएगी। पहले भी बच्चे कॉलेजों में दाखिला लेते थे, लेकिन अब उन्हें सीयूईटी जैसे इम्तिहान से गुजरना है और इसके लिए भी कोचिंग नाम का कारोबार शुरू हो गया है। पहले भी लोग मेडिकल की पढ़ाई करते थे और बिना किसी प्रतियोगिता के बेहतरीन डॉक्टर साबित होते थे, लेकिन अतिशय केंद्रीकरण की कोशिश ने इस पूरे दाखिले की प्रक्रिया को बेहद संदिग्ध बना डाला है।

तीसरा संकट शिक्षा और परीक्षा के आधे-अधूरे तकनीकीकरण का है। कोविड के दौर में ही हमने पाया कि ऑनलाइन कक्षाओं में 'डिजिटल डिवाइड' ने कितनी बड़ी असमानता पैदा की है। अब सीबीएसई के इम्तिहानों में ओएसएम- यानी ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का कहर बच्चे झेल रहे हैं। मूल्यांकन की पहले से चली आ रही प्रक्रिया क्या दोषपूर्ण थी? क्या हमारे शिक्षक इस लायक नहीं बचे हैं कि हम उन पर सही मूल्यांकन का भरोसा भी कर सकें? असली बात यही है। शिक्षा की जो सबसे जरूरी कड़ी है, उस शिक्षक को हमने लगभग अदृश्य और बेमानी बना डाला है। गिग वर्करों की तरह शिक्षा मित्रों से काम चलाया जा रहा है। जिस समय भारत में स्कूली व्यवस्था इतनी चाक-चौबस्त नहीं थी, यही शिक्षक या गुरु थे, जिन्होंने कई होनहार पीढ़ियां निकालीं- उनके हाथ से हमारे डॉक्टर, इंजीनियर, लेखक, कलाकार, वैज्ञानिक सब निकले। लेकिन अब जब हमने बहुत सारे इंतजाम कर लिए हैं तब शिक्षक को ही किनारे कर दिया है।

अगर हम बुनियादी सवालों की ही उपेक्षा करते रहे तो न तो शिक्षा के नाम पर होने वाले घोटाले खत्म होंगे न ही हमारी शिक्षा व्यवस्था बेहतर मनुष्य या पेशेवर गढ़ने का जरिया बन पाएगी। मगर इस दिशा में सोचे कौन? (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रियदर्शन)

टूरिज्म डॉलर भी दे सकता है और जॉब्स भी

विदेशी मुद्रा पाने और नौकरियां क्रिएट करने के सबसे तेज तरीकों में पर्यटन भी है, जबकि उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। एक ऐसे समय में, जब वैश्विक अनिश्चितता, ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक झटके चालू खाते पर दबाव डाल रहे हैं, टूरिज्म हमारी अर्थव्यवस्था के लिए स्टैबलाइजर का काम कर सकता है। विदेशी पर्यटक सीधे हमारी अर्थव्यवस्था में डॉलर लेकर आते हैं। वे हॉस्पिटैलिटी, परिवहन, पर्यटन स्थलों, स्मृति-चिह्नों, सांस्कृतिक अनुभवों और स्थानीय व्यंजनों पर पैसा खर्च करते हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र अपने आप में रोजगार सृजन का एक शक्तिशाली स्रोत है। पर्यटन में जुड़ा हर प्रत्यक्ष रोजगार 13 अप्रत्यक्ष रोजगारों को भी जन्म देता है। वेटर, शेफ, ड्राइवर, गाइड, शिल्पकार, होमस्टे संचालक, डिजिटल मार्केटर और हजारों-छोटे स्थानीय उद्यम इसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। जहां मैन्युफैक्चरिंग-आधारित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश- जिसे दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्राथमिकता दी जाती है- साकार होने में वर्षों लेता है और सार्थक स्तर पर विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने में उससे भी अधिक समय लगाता है, वहीं पर्यटन किसी पर्यटक के निर्णयों को कुछ ही महीनों में डॉलरों में परिवर्तित कर देता है। भारत की एविएशन कंपनियों ने 2000 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है, जिनकी आपूर्ति आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ेगी। ऊपरी तौर पर तो यह एविएशन क्षेत्र की महत्वाकांक्षा की कहानी प्रतीत होती है, किंतु यदि इसके साथ ही इन विमानों को विदेशी पर्यटकों से भरने के प्रयास नहीं किए गए, तो उलटा परिणाम भी मिल सकता है : भारतीयों के लिए विदेश यात्रा अधिक आसान और सस्ती हो जाएगी, जिससे कहीं अधिक मात्रा में बहुमूल्य विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाएगी। पिछले चार वर्षों में भारत के विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट को लगभग शून्य तक घटा दिया गया है। परिणाम भी अपेक्षित हैं। वर्ष 2024 में भारत में 99 लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए- जो महामारी-पूर्व के सर्वोच्च स्तर से लगभग 10फीसदी कम हैं। जहां भारत के सभी प्रमुख प्रतिस्पर्धी देश 2019 के स्तर को पार कर चुके हैं, हम अब भी उस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। इसलिए हमारे विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट में की गई तीव्र कटौती आश्चर्यजनक है। एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर भारत के जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है, जबकि एक घरेलू पर्यटक का योगदान केवल 75 डॉलर होता है- यानी 40 गुना का अंतर। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। यानी मार्केटिंग पर खर्च किए गए प्रत्येक डॉलर पर 18 गुना रिटर्न प्राप्त होगा। केवल 55,000 अतिरिक्त पर्यटक- जो भारत के वर्तमान टूरिस्ट-बेस का मात्र 0.5फीसदी हैं- पूरे मार्केटिंग खर्च की भरपाई कर देंगे। ये कोई अनुमान नहीं हैं। ये वही परिणाम हैं, जिन्हें इन्क्रेडिबल इंडिया अभियान ने प्रत्यक्ष रूप से सिद्ध करके दिखाया था। वैश्विक पर्यटन में डिजिटल टेक्नोलॉजी बड़े बदलाव ला रही है। और यही वह क्षेत्र है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति हमारे लिए महंगी साबित हो रही है। आज पर्यटन से संबंधित कुल बिक्री का 78फीसदी ऑनलाइन होता है, 70फीसदी बुकिंग मोबाइल उपकरणों पर पूरी की जाती हैं और 45फीसदी लेन-देन ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से होता है। प्रतिस्पर्धा का मैदान अब यूट्यूब प्री-रोल्स, सोशल मीडिया एल्गोरिदम, प्रोग्रामेटिक डिस्प्ले और इन्फ्लुएंसर नेटवर्कों पर स्थानांतरित हो चुका है। ये ऐसे चैनल्स हैं, जहां व्यय को मापा जा सकता है, टारगेटिंग सटीक होती है और रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट का लगभग रियल-टाइम में आंकलन किया जा सकता है। भारत के पास बुनियादी ढांचा तो है, किंतु वह उसका लाभ उठाने में विफल रहा है। इन्क्रेडिबल इंडिया के फेसबुक पर 19 लाख और इंस्टाग्राम पर 7.85 लाख ही फॉलोअर्स हैं। इतने ही फॉलोअर्स वाले सऊदी अरब ने जहां एक ही महीने में 2.7 करोड़ कंटेंट व्यू अर्जित किए, वहीं भारत केवल 3.88 लाख व्यू तक सीमित रहा। मंच मौजूद है, किंतु भारत लगभग एक दशक से वैश्विक मार्केटिंग परिदृश्य से पूरी तरह अनुपस्थित है। इसकी भारी कीमत हमारे पर्यटन क्षेत्र को चुकानी पड़ रही है। केवल मार्केटिंग भी काफी नहीं होगी। हमें मिशन मोड में पर्यटन क्षेत्र को डी-रेगुलेट भी करना होगा। होटल, रेस्तरां, होमस्टे, परिवहन संचालक और पर्यटन सेवा प्रदाता अनेक लाइसेंसों, प्रक्रियाओं और निरीक्षणों के बोझ तले काम करते हैं। जो परियोजनाएं दूसरे एशियाई देशों में 18 महीनों में पूरी हो जाती हैं, उन्हें भारत में कहीं अधिक समय लगता है। एकीकृत लाइसेंस व्यवस्था, डिजिटलीकरण और स्वचालित नवीनीकरण को लागू किया जाना चाहिए। हमारे प्रत्येक राज्य को पर्यटन का अग्रदूत बनना होगा। प्रत्येक राज्य को 15 प्रमुख पर्यटन स्थलों की पहचान कर उन्हें ऐसे समग्र पर्यटन इको-सिस्टम में विकसित करना चाहिए, जिनमें पहुंच, आवास, अनुभव, आयोजन, सुरक्षा, स्वच्छता, स्थानीय उद्यम और मार्केटिंग- सभी का समावेश हो। कोई डेस्टिनेशन केवल इसलिए तैयार नहीं माना जा सकता कि वहां सड़कें, होटल या संकेतक उपलब्ध हैं। वह तभी नजरों में आता है, जब कोई यात्री उसकी विशिष्टता को खोज सके, उसकी विश्वसनीयता का आकलन कर सके, बुक किए जा सकने वाले अनुभवों की पहचान कर सके, आसानी से लेन-देन कर सके और इस बात पर भरोसा कर सके कि उसे अपेक्षानुरूप अनुभव प्राप्त होगा। पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता अब इस पर भी निर्भर करेगी कि कोई डेस्टिनेशन कंटेंट-क्रिएटर्स के अनुकूल है या नहीं, उसे आसानी से ऑनलाइन खोजा जा सकता है या नहीं, वह लेन-देन के लिए तैयार है या नहीं और उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। हमें कंटेंट-क्रिएशन अर्थव्यवस्था को भी पर्यटन की एक रणनीति के रूप में अपनाना होगा। सरकारी अभियान जागरूकता उत्पन्न कर सकते हैं, किंतु विश्वास का निर्माण कंटेंट-क्रिएटर्स करते हैं। एक उत्कृष्ट वीडियो वह प्रभाव उत्पन्न कर सकता है, जो कोई ब्रोशर नहीं कर सकता। 2.83 लाख नए रोजगार... एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

क्या बीजेपी का ही सीक्रेट प्लान है अन्नामलाई का इस्तीफा!

चेन्नई। 17 जून 2015 की बात है। के. अन्नामलाई कर्नाटक के उडुपी के एसपी थे। तैनाती के 6 महीने बाद 17 साल की एक लड़की की रेप के बाद हत्या

का मामला सामने आया। अन्नामलाई परिवार से मिलने पहुंचे। लड़की की मां ने उनसे पूछा- 'क्या मेरी बच्ची को वापस ला सकते हो? अन्नामलाई ने जवाब दिया- 'नहीं, लेकिन मैं यह कर सकता हूं कि वो सबके दिलों में रहे, सबको याद रहे।' अन्नामलाई ने लड़की के नाम से 10 हजार रुपए की स्कॉलरशिप शुरू कर दी। पुलिस अफसर रहते हुए अन्नामलाई के ऐसे कई किस्से कर्नाटक में मशहूर होते गए। अचानक उन्होंने 2019 में नौकरी छोड़ दी और अपने राज्य तमिलनाडु लौट गए। अगस्त 2020 में बीजेपी जॉइन की। 11 महीने बाद ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिए गए। तमिलनाडु में जगह तलाश रही बीजेपी को बड़े चेहरे की जरूरत थी और अन्नामलाई को बड़े प्लेटफॉर्म की। 6 साल बाद 2 जून, 2026 को ये साथ छूट गया। अन्नामलाई को तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा। उन्हें बीजेपी और एआईए डीएमके का गठबंधन टूटने की वजह माना गया। पार्टी में साइडलाइन कर दिए गए। चुनाव में टिकट तक नहीं मिला।इसके बाद उन्होंने बीजेपी से इस्तीफा दिया और 5 जून को नए अभियान की घोषणा कर दी। इसे लीडरशिप मूवमेंट बताया। नाम दिया- 'इधु नम्मा इयक्कम' यानी 'ये हमारा आंदोलन है'। अन्नामलाई इस मूवमेंट को पार्टी में बदलकर 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। ठीक वैसे, जिस तरह आम आदमी पार्टी और थलापति विजय की टीवीके की शुरुआत एक आंदोलन से हुई और बाद में पॉलिटिकल पार्टी ये बन गईं। अब 4 सवाल-अन्नामलाई का मूवमेंट पॉलिटिकल पार्टी में कब बदलेगा? क्या उनके इस्तीफे के बाद तमिलनाडु में बीजेपी बिखर जाएगी? क्या अन्नामलाई के आंदोलन के पीछे पूरा खेल बीजेपी का ही है?क्या अन्नामलाई की पार्टी थलापति विजय की टीवीके जैसा कमाल कर पाएगी? और इनके जवाब-1. अन्नामलाई का मूवमेंट पॉलिटिकल पार्टी में कब बदलेगा? बीजेपी छोड़ने के बाद अन्नामलाई ने https://wetheleader.org/ पोर्टल बनाया। 5 जून से इस पर रजिस्ट्रेशन शुरू हुए। उन्होंने कहा कि पहले मैं लोगों को आंदोलन से जोड़ूंगा, फिर ट्रेनिंग देकर पॉलिटिकल पार्टी बनाऊंगा। बीजेपी के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट रहे और अन्नामलाई के सपोर्ट में बीजेपी छोड़ने वाले करु नागराजन कहते हैं, 'वी द लीडर्स तमिलनाडु के लोगों का आंदोलन है। हमारे प्रेसिडेंट अन्नामलाई ने आम लोगों, खासकर युवाओं से जुड़ने की गुजारिश की थी। बड़ी संख्या में लोग मेंबर बन चुके हैं। हमारा प्लान है कि 3 से 4 महीने के अंदर इन लोगों को कोयंबटूर में ट्रेनिंग देकर फ्यूचर लीडर बनाया जाए। इन्हीं लोगों में से हम पार्टी के लिए लीडरशिप तैयार करेंगे।' क्या पार्टी बनाने की कोई डेडलाइन है? नागराजन जवाब देते हैं, 'जून के आखिर तक मेंबरशिप कैंपेन चलेगा। हमारे पास सदस्यों का बड़ा आंकड़ा आ जाएगा, तब ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करेंगे। अक्टूबर से नवंबर के बीच पार्टी बनाने की तरफ बढ़ जाएंगे।' 2. क्या अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद तमिलनाडु में बीजेपी बिखर जाएगी? अन्नामलाई ने इस्तीफे से पहले दावा किया कि पार्टी आलाकमान को बीते 18 महीनों से मतभेद के बारे में बता रहे थे। 5 दिसंबर 2025 को पार्टी छोड़ने की सूचना दे दी थी, लेकिन दिल्ली से मैसेज मिला कि आप मई में होने वाले विधानसभा चुनाव खत्म होने तक रुक जाइए। तमिलनाडु की राजनीति और सोशल इश्यूज पर 20 से ज्यादा किताब लिख चुके पॉलिटिकल एक्सपर्ट मालन नारायणन इस पर कहते हैं, 'बीजेपी में रहते हुए अन्नामलाई ने डीएमके के मंत्रियों और सांसदों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने राज्यपाल को डीएमके फाइल्स सौंपी थी। केंद्र सरकार ने इस पर आंखें मूंद लीं। बीजेपी ने डीएमके के खिलाफ उस आक्रामकता से काम नहीं लिया, जैसा उसने आप और टीएमसी के लिए किया।' '6 मई 2022 को प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए अन्नामलाई ने बड़े फेरबदल किए। द्रविड़ विचारधारा वाली पार्टियों से आए नेताओं को जगह दी। पूर्व एआईए डीएमके सांसद शशिकला पुष्पा, एजी संपत, पूर्व डीएमके विधायक वीपी दुरैसामी इसके उदाहरण हैं।' अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद पार्टी में नंबर दो नेता रहे करु नागराजन के अलावा प्रदेश सचिव सुमति वेंकटेश और 14 दूसरे पदाधिकारी बीजेपी छोड़ चुके हैं। करु नागराजन कहते हैं, 'बीजेपी में रहते हुए भी अन्नामलाई की छवि पब्लिक लीडर जैसी थी। मौजूदा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और वेंद्र में मंत्री लोगनाथन मुरुगन जैसे बड़े नेता पार्टी में ब्रांच मैनेजर की तरह काम कर रहे हैं।' 'तमिलनाडु के लोग अन्नामलाई का वर्क कल्चर जानते हैं। उन्होंने बीजेपी को तमिलनाडु में नीचे से ऊपर तक पहुंचाया।

उन्होंने पार्टी छोड़ी, तो उनकी विचारधारा से प्रभावित दूसरे नेताओं ने समर्थन किया।' 3. क्या अन्नामलाई के आंदोलन के पीछे पूरा खेल बीजेपी का ही है? तमिलनाडु कांग्रेस का तो यही मानना है। पार्टी के सांसद मणिक्कम टैगोर कहते हैं, 'अन्नामलाई का मूवमेंट बीजेपी और आरएसएस का प्लान-बी है। अन्नामलाई ने भले खुद को बीजेपी से अलग कर लिया है, लेकिन पर्दे के पीछे से उन्हें लीडरशिप का सपोर्ट मिलता रहेगा।' सीनियर जर्नलिस्ट राजसंगीथन इस पर कहते हैं, 'अन्नामलाई का इस्तीफा और नई पार्टी बनाना बीजेपी के बड़े प्लान का हिस्सा लगता है।' 4. क्या अन्नामलाई की पार्टी थलापति विजय की टीवीके जैसा कमाल कर पाएगी? पॉलिटिकल एक्सपर्ट मालन नारायणन के मुताबिक, इस वक्त तमिलनाडु की दोनों बड़ी द्रविड़ पार्टियां डीएमके-एआईए डीएमके कमजोर पड़ चुकी हैं। लोग नए विकल्प तलाश रहे हैं। लिहाजा, अन्नामलाई की नई शुरुआत के लिए ये वक्त बिल्कुल मुफीद है। वहीं, सीनियर जर्नलिस्ट उमा सुधीर के मुताबिक, अन्नामलाई के आंदोलन से तीन तरह के लोग जुड़े रहे हैं। 1. अन्नामलाई की आक्रामकता और लोकप्रियता देखकर उन्हें हीरो मानने वाले। 2. जो ये मानते हैं कि बीजेपी को तमिलनाडु में मजबूत करने वाले अकेले अन्नामलाई ही थे। 3. पढ़े-लिखे युवा, जो जानना चाहते हैं कि अन्नामलाई आगे क्या करने वाले हैं।

उमा आगे कहती हैं, 'अन्नामलाई के मूवमेंट के पीछे थलापति की पार्टी टीवीके की कामयाबी भी है। वे कह चुके हैं कि ग्रासरूट लीडरशिप तैयार करेंगे। तमिलनाडु की पॉलिटिक्स में नई जनरेशन का ही बोलबाला होने वाला है। डीएमके में स्टालिन उम्रदराज हो गए हैं। वे उदयनिधि को आगे कर रहे हैं। एआईए डीएमके में पलानीस्वामी के बाद युवा चेहरे की तलाश है। अन्नामलाई अभी 42 साल के हैं। 2031 का चुनाव विजय, उदयनिधि और अन्नामलाई के बीच हो सकता है।' बीजेपी बोली- अन्नामलाई के जाने से फर्क नहीं पड़ेगा-अन्नामलाई के साथ छोड़ने पर तमिलनाडु बीजेपी के स्टेट स्पोक्सपर्सन नारायणन तिरुपति कहते हैं, 'हमारा संगठन इतना मजबूत है कि किसी के आने या जाने से फर्क नहीं पड़ता। अन्नामलाई को पार्टी ने अध्यक्ष बनाया और उन्होंने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। उन्हें लगा कि पार्टी छोड़नी है, तो लीडरशिप ने उनके फैसले का सम्मान करते हुए इस्तीफा मंजूर कर लिया। उनके जाने से संगठन में कोई मतभेद नहीं है।'

इंजीनियर की नौकरी बोरिंग लगी तो नूडल्स की दुकान लगाया, मेटा की नौकरी छोड़ी, मदद करती गर्लफ्रेंड के साथ वायरल

नयी दिल्ली।फाइनेंशियल एडवाइजर और कंटेंट क्रिएटर लुइसा ते ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो इंटरव्यू शेयर किया। ये

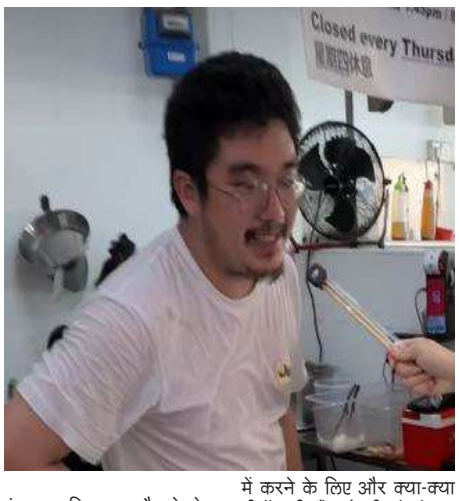

इंटरव्यू एल्विन का है जो मेटा कंपनी से नौकरी छोड़ कर नूडल्स बेचने का काम कर रहे थे। नौकरी बोरिंग लगी तो छोड़ी-मेटा के एक कर्मचारी एल्विन ने अपनी नौकरी सिर्फ इसलिए छोड़ दी क्योंकि उसे ये बोरिंग लगी। नौकरी छोड़ने के बाद अब वह नूडल्स बेचने का काम कर रहा है। अपनी इस कहानी को एल्विन ने सोशल मीडिया पर शेयर किया जो तेजी से वायरल हो रही है। लोकल फूड मार्केट में लगाया स्टॉल-नौकरी छोड़ने के बाद एल्विन ने लोकल फूड मार्केट में हॉक्केन मी का स्टॉल लगाना शुरू कर दिया। एल्विन टैन से जब पूछा गया कि उन्होंने इतनी बड़ी कंपनी क्यों छोड़ी तो उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर इंजीनियर बोरिंग है। बताया अपनी कंपनी का हाल-जब लुइसा ते ने कहा कि मेटा में काम करना लोगों का सपना होता है तो एल्विन ने जवाब दिया कि बड़ी कंपनियों में लगातार छंटनी हो रही है। मेरी खुद ही टीम कई बार रीस्ट्रक्चर हुई। ऑफिस के अंदर जाने से पहले यह सबका सपना होता है लेकिन एक बार जब आप वहां पहुंच जाते हैं तो सोचने लगते हैं कि जिंदगी में करने के लिए और क्या-क्या चीजें बची हैं। नौकरी छोड़ने का कोई दुख नहीं-एल्विन ने अपने इंटरव्यू में बताया कि मेटा की जॉब और नूडल्स के स्टॉल की कमाई में बहुत अंतर है। मेटा में नौकरी करते हुए उन्हें नूडल्स के स्टॉल्स से दो से तीन गुना ज्यादा सैलरी मिलती थी। लेकिन इसके बाद भी उन्हें मेटा की नौकरी छोड़ने का दुख नहीं था। अब वह जो काम कर रहे हैं, उससे उन्हें ज्यादा खुशी मिलती है। गर्लफ्रेंड को रखा हेल्पर-इस समय एल्विन के पास इतना पैसा नहीं है कि वह अपने लिए किसी हेल्पर को रख सकें। इसलिए उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को हेल्पर के तौर पर रख लिया है। वह उनके साथ मिलकर पूरा काम संभाल रही है। एल्विन ने वीडियो के आखिर में यह भी बताया कि जो लोग अपना करिअर बदलना चाहते हैं,वे बहुत जल्दी हार न मानें। उन्होंने कहा कि आपके लिए हमेशा आगे बढ़ने का कोई न कोई दरवाजा खुला रहेगा।

अहमदाबाद प्लेन हादसे के बीत गए एक साल,प्लेन में बैठने से डरते हैं मरने वालों के परिवार,हो रहीं काउसिंलिंग

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 दुर्घटना को एक साल पूरा हो गया

है, लेकिन हादसे की भयावह यादें आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। 12 जून 2025 को लंदन जाने वाली एआई-171 फ्लाइट मेघानीनगर में बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराकर क्रैश हो गई, जिसमें विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। सिर्फ एक यात्री जिंदा बचा था। हादसे के एक साल बाद भी बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में उस त्रासदी के निशान पूरी तरह मिट नहीं पाए हैं। जहां विमान का मलबा गिरा था, लोगों के शव मिले थे, वहां आज भी खून के धब्बे दिखाई देते हैं। इधर हादसे में मरने वालों के परिवार आज भी सदम में हैं। कुछ लोग अभी भी उड़ान भरने से डरते हैं, जबकि कुछ लोग इस गहरे सदमे से उबरने के लिए काउंसलिंग ले रहे हैं। 1. गुजरात डीजीपी ज्ञानेंद्र सिंह मलिक- करियर का सबसे दर्दनाक अध्याय-ज्ञानेंद्र बताते हैं कि यह उनके करियर का सबसे दर्दनाक अध्याय है। उनके जेहर में मलबे से निकाली गई जली हुई लाशों की डरावनी तस्वीरें अभी भी बसी हुई हैं। मलिक ने बताया कि उन्होंने 30 मिनट के भीतर 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को हादसे वाली जगह पर तैनात किया था। मलिक उस समय अहमदाबाद के कमिश्नर थे। वे हादसे के 15-20 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जमीन पर जले हुए शवों को देखना बहुत दर्दनाक था। डीएनए मैचिंग के बाद सौंपे गए शवों में से पहला शव दुर्घटना के 50 घंटे से भी कम समय में, 14 जून को दोपहर 3:19 बजे सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद सौंपा गया। 2. फोरेंसिक साइंटिस्ट एचपी संघवी- कटे हुए हाथ को भुला नहीं पा रहा-गुजरात डायरेक्टरेट ऑफ फोरेंसिक साइंसेज के डायरेक्टर संघवी और उनकी 38 सदस्यों की टीम की जिम्मेदारी थी कि वे मारे गए लोगों की पहचान करने के लिए बायोलॉजिकल सैंपल की बारीकी से जांच करें और राख से निकाले गए टूटे-फूटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच करके उनसे जो भी जानकारी मिल सके, उसे हासिल करें। संघवी के लिए, कटे हुए हाथ की वह तस्वीर ऐसी है जिसे वे भुला नहीं पा रहे हैं। संघवी ने बताया कि ऐसा लग रहा था जैसे वह मदद की गुहार लगा रही हो। एक साल बाद भी, हम उसके आखिरी पलों के खौफ की सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। पहला सैंपल आधी रात के बाद आया और हमारी टीमों ने पहले 100 घंटों में ही 100 डीएनए प्रोफाइल तैयार कर लिए। प्लेन हादसे के पीड़ितों के 3 किस्से-बेटा खोया, प्लेन की आवाज से भी डरते हैं रफीकः दीव के रहने वाले रफीक अरब ने पिछले साल 12 जून को अपने 25 साल के बेटे फैजान को खोने के बाद से कभी हवाई यात्रा नहीं की है। वे अब भी गहरे डर के साथ जी रहे हैं। रफीक बताते हैं- ऊपर से गुजरते विमान की आवाज भी हमें बेचैन कर देती है।माता-पिता की मौत के बाद नौकरी छोड़ी, मुक्ति ने महीनों काउंसिलिंग करवाईः सूरत की रहने वाली मुक्ति वंसदिया के माता-पिता दिव्या और अर्जुनसिंह हादसे में मारे गए थे। हादसे के बाद मुक्ति डिप्रेशन से जूझने लगीं। उन्होंने ट्रैवल एजेंसी की अपनी नौकरी छोड़ दी और महीनों तक काउंसलिंग लीं।

कल्याण बनर्जी की वॉर्निंग- ममता मुझे चुनें या अभिषेक को, टीएमसी के तीसरे राज्यसभा सांसद का इस्तीफा

20 लोकसभा सांसद, 58 विधायक अलग गुट बना चुके

कोलकाता/नयी दिल्ली। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। कल्यान बनर्जी को फर्जी साइन केस से हटा दिया गया है। इसके बाद उन्होंने कहा कि मुझे आधी रात को बताया गया कि वकील बदल दिया गया है। यह अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। उन्होंने कभी मुझ पर भरोसा नहीं किया और आगे भी नहीं करेंगे। वह बहुत अहंकारी है। उसी की वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। इधर, टीएमसी के एक और राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक ने इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिनों में तीन राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं। 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी। अब तक टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 और राज्यसभा में 13 में से 3 सांसद, यानी कुल 23 सांसद टूट चुके हैं। वहीं, बंगाल के 80 में से 58 टीएमसी विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस्तीफे के बाद प्रकाश चिक बोले- मैं बूढ़ा नहीं हुआ, आगे समय बताएगा-इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है। इसलिए, मैंने अपने पद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया। आगे इंतजार कीजिए, समय के साथ सब सामने आएगा। मैं अभी बूढ़ा नहीं हूं। भविष्य में मैं क्या करूंगा, यह समय ही तय करेगा। कल्याण बनर्जी के बेटे बोले- अभिषेक किसी पर भरोसा नहीं कर सकते-टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के बेटे शिरसान्य बंदोपाध्याय ने कहा- समस्या यह है कि अभिषेक बनर्जी किसी पर भरोसा नहीं कर सकते। वह हम पर भी भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। वह एक दूसरी लाइन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर ये लोग नहीं होंगे, तो काम कौन करेगा? सिस्टम ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने हाईकोर्ट, जिला कोर्ट, सब-डिविजनल कोर्ट, जहां भी मुमकिन हो उनकी मदद करने की कोशिश की है। पार्टी सांसद और बागी नेताओं ने क्या कहा- टीएमसी के बागी नेता रिजु दत्ता- युवराज का अब चक्की पीसने का समय आ गया है। वह ऐसा व्यक्ति है जो काउंसलर बनने के भी लायक नहीं था, लेकिन ममता बनर्जी ने धृतराष्ट्र की तरह आंखें बंद कर उसे राजनीति में स्थापित कर दिया। अभिषेक ने सालों तक पार्टी के सांसदों, विधायकों और नेताओं का अपमान किया। मेरे जैसे प्रवक्ताओं को गुलाम समझा गया। एक अकेले व्यक्ति ने पार्टी को बर्बाद कर दिया। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 12 साल का कार्यकाल पूरा करने पर शुभकामनाएं। आप देश और समाज के मार्गदर्शक हैं। मैं आपके लंबे, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करता हूं। टीएमसी सांसद प्रतिमा मंडल- अगर 20 सांसदों के हस्ताक्षर वाला कोई पत्र है, तो उसे सार्वजनिक किया जाए। अगर मेरा नाम या हस्ताक्षर हैं, तो दिखाइए। मैं टीएमसी के साथ हूं और 2029 तक पार्टी के साथ रहूंगी। सांसद सौगत रॉय- कांग्रेस के साथ काम करना जरूरी है। इतना मैं कह सकता हूं। विलय होगा या गठबंधन, यह आगे देखा जाएगा। अभिषेक बनर्जी को आज सीआईडी के सामने पेश होने का निर्देश- कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी को फर्जी हस्ताक्षर मामले में अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने उनके खिलाफ तीन हफ्तों तक किसी भी तरह की सख्त कार्रवाई पर रोक लगा दी है। हालांकि जस्टिस कौशिक चंदा की बेंच ने अभिषेक को आज शाम 6 बजे तक कोलकाता स्थित सीआईडी मुख्यालय भवानी भवन में पेश होकर जांच में शामिल होने का निर्देश भी दिया। अभिषेक आज शाम 4 बजे दिल्ली से कोलकाता पहुंच रहे हैं। इसके बाद सीआईडी के सामने पेश होंगे। 10 जून को राहुल से मिले थे अभिषेक बनर्जी-10 जून को ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। वहीं, 9 जून को ममता सोनिया गांधी से मिलीं थीं।8 जून को टीएमसी के लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया था। सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कहा था कि सांसदों के साइन वाला पत्र लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेज दिया है। इसमें अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की गई।

एमपी- भाजपा ने तीनों राज्यसभा सीट निर्विरोध जीतीं

भोपाल। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कांग्रेस के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मामले की सुनवाई आज ही की जाए, क्योंकि नाम वापस लेने की आखिरी समय-सीमा आज दोपहर 3 बजे तक है। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उन्हें अभी तक याचिका की कॉपी नहीं मिली है, इसलिए जवाब देने के लिए समय चाहिए। सिंघवी ने जवाब में कहा कि अगर सुनवाई अगले दिन भी हो, तो तब तक चुनाव का नतीजा घोषित नहीं किया जाए। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून पहले से स्पष्ट है और याचिका को अगले दिन सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई टलने के बाद कांग्रेस ने फिर मांग की कि कोर्ट के फैसले तक चुनाव परिणाम घोषित न किए जाएं। कांग्रेस ने यह याचिका बुधवार और गुरुवार की रात 1:48 बजे ऑनलाइन दाखिल की थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन रद्द करने का फैसला गैरकानूनी, मनमाने और पक्षपातपूर्ण तरीके से लिया। कांग्रेस ने कोर्ट से इस फैसले को रद्द करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टलने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- कांग्रेस को आज सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। चुनाव आयुक्त चाहते तो कल इस बारे में निर्णय दे सकते थे। खारिज करना या स्वीकार करना, यह विशेष अधिकार चुनाव आयोग को है। हरियाणा में चुनाव आयोग ने हस्तक्षेप किया था, गुजरात में हस्तक्षेप किया था तो एमपी में क्यों नहीं किया? सिंघार ने भोपाल में मीडिया से कहा- झारखंड में बीजेपी कैंडिडेट को आप (चुनाव आयोग) वैलिड कर सकते हैं तो मीनाक्षी नटराजन के मामले में फैसला

क्यों नहीं लिया? इससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग भाजपा के रबर स्टैंप के रूप में काम कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन पर चुनाव आयोग ने कोई विचार नहीं किया। उनके रिटर्निंग ऑफिसर ने स्पष्ट रूप से नियमों की धज्जियां उड़ाईं। सुप्रीम कोर्ट ने कल का समय दिया है। मैं समझता हूं कि इसमें न्याय होगा लेकिन न्याय में इतनी देरी क्यों हो रही है? सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय आज करता तो बेहतर होता क्योंकि आज नामांकन वापसी की लास्ट डेट हैअब आगे क्या हो सकता है-1. आयोग नामांकन बहाल करता है तो चुनाव फिर मुकाबले में बदल जाएगा पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत के अनुसार, यदि चुनाव आयोग यह मानता है कि रिटर्निंग ऑफिसर से त्रुटि हुई है तो वह स्पष्ट आदेश जारी कर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन वैध घोषित कर सकता है। ऐसे में फिर से वोटिंग होगी। 2. आयोग राहत नहीं देता तो भाजपा उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन होगायदि आयोग हस्तक्षेप नहीं करता या रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले को बरकरार रखता है, तो कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव से बाहर मानी जाएंगी। ऐसे में भाजपा के तीनों उम्मीदवार निर्विरोध जीतेंगे। 3. राष्ट्रपति के पास जाने से कांग्रेस को क्या मिलेगा? राष्ट्रपति से मिलकर कांग्रेस गलत तरीके से नामांकन निरस्त करने का मुद्दा उठा सकती है। राष्ट्रपति मामले का संज्ञान लेकर चुनाव आयोग या संबंधित संवैधानिक संस्थाओं से जानकारी मांग सकते हैं। हालांकि, राष्ट्रपति सीधे चुनाव आयोग, रिटर्निंग ऑफिसर या चुनाव प्रक्रिया के किसी फैसले को रद्द नहीं कर सकते। इस मुलाकात का महत्व संवैधानिक और राजनीतिक संदेश के रूप में अधिक माना जा रहा है। कोर्ट में मामला लंबित होने की शिकायत हुई थी-राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र 9 जून को स्क्रूटनी के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने खारिज कर दिया था। भाजपा उम्मीदवार महेश केवट और पार्टी नेताओं ने मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराई थी। भाजपा का आरोप है कि मीनाक्षी ने अपने चुनावी हलफनामे (फॉर्म 26) में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित एक कानूनी मामले की जानकारी छिपाई है। कांग्रेस की दलील- यह केस नहीं, सिर्फ नोटिस है-चुनाव आयोग के सामने कांग्रेस की ओर से सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज ही नहीं है। सिंघवी के मुताबिक, तेलंगाना में एक निजी शिकायत के आधार पर अदालत ने केवल एक कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा था कि संज्ञान क्यों न लिया जाए? कांग्रेस का कहना है कि जब तक अदालत किसी मामले में संज्ञान लेकर आरोप तय नहीं करती, तब तक उसे लंबित आपराधिक मामला नहीं माना जा सकता। इसलिए इसे हलफनामे में लिखना अनिवार्य नहीं था। कांग्रेस ने रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले को गैर-कानूनी और सीटों की चोरी करार दिया है।

मेरी बेटी को लगता है, वो मोटी है-अपनी तुलना सोशल मीडिया वाली लड़कियों से करती है और दुखी होती है, उसे कैसे समझाऊं?

जयपुर। आज के आधुनिक युग में हमारी पीढ़ी हमसे विपरीत सोशल मीडिया से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाती हैं तो ऐसा होना स्वाभाविक हैं विषय को और गहराई से समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी

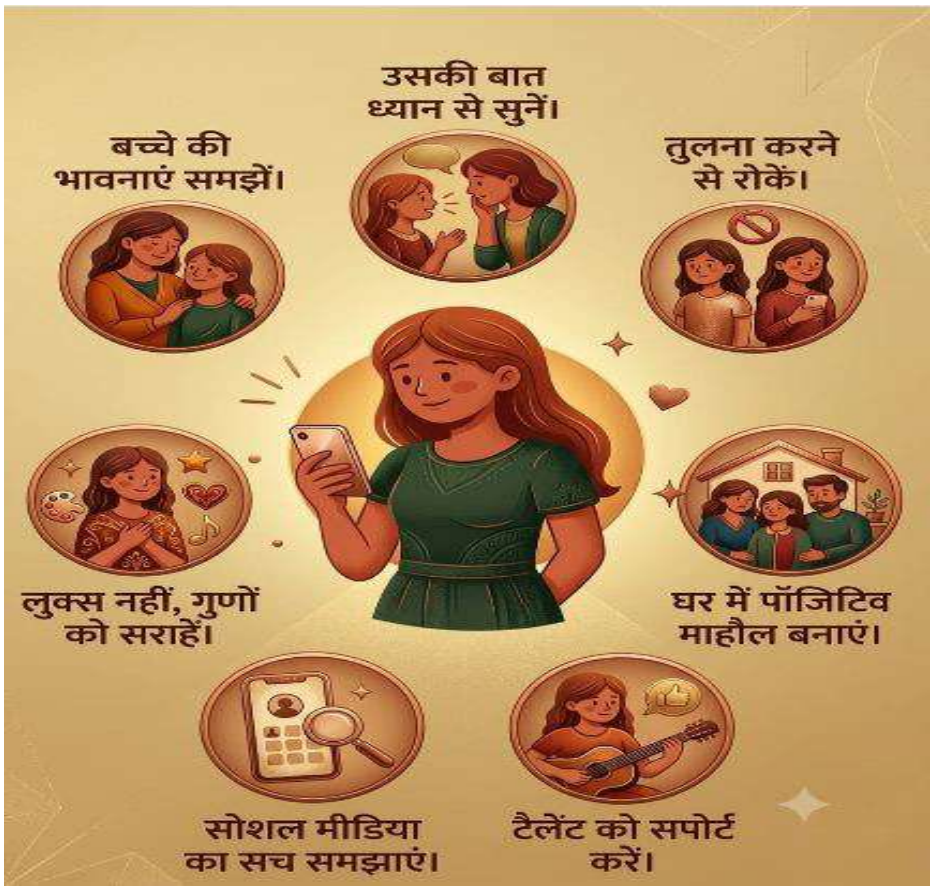

के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं दिल्ली से हूं। मेरी 14 साल की बेटी है। पिछले कुछ महीनों से मैं नोटिस कर रही हूं कि वह अपने लुक्स और बॉडी को लेकर काफी इनसिक्योर महसूस करने लगी है। कभी वह अपने वजन को लेकर परेशान रहती है, तो कभी अपनी स्किन या हाइट को लेकर। वह अक्सर अपनी तुलना सोशल मीडिया पर दिखने वाली लड़कियों से करती है और कई बार खुद को कमतर महसूस करती है। मुझे उसकी चिंता हो रही है। उसे कैसे समझाऊं कि असली खूबसूरती क्या होती है और उसका आत्मविश्वास कैसे बढ़ाऊं? जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया।

किशोरावस्था यानी टीनएज वह समय है, जब बच्चे अपनी बॉडी, लुक्स और दूसरों की राय को लेकर सेंसिटिव होते हैं। प्यूबर्टी की एज यानी 13-18 साल की उम्र में तेजी से शारीरिक और मानसिक बदलाव होते हैं। इस उम्र में सोशल मीडिया ट्रेंड्स और दोस्तों से वैलिडेशन पाने की चाहत बढ़ती है। इसके कारण परफेक्ट दिखने का दबाव बनता है। ऐसे में अपने लुक्स को लेकर इनसिक्योर महसूस करना कॉमन है। हालांकि इसे सिर्फ एक फेज कहकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि लगातार नेगेटिव बॉडी इमेज बच्चे के आत्मविश्वास और मेंटल हेल्थ को प्रभावित कर सकती है। पहले समझिए, बॉडी इमेज क्या होती है? व्यक्ति अपने शरीर, चेहरे, वजन, रंग और लुक्स को लेकर जैसा महसूस करता है, उसे बॉडी इमेज कहते हैं। यह पॉजिटिव भी हो सकती है और नेगेटिव भी। जब कोई खुद को दूसरों से कम सुंदर या कम आकर्षक समझने लगे तो इसे नेगेटिव बॉडी इमेज कहा जाता है। टीनएज में बॉडी इमेज को लेकर चिंता क्यों होती है? इस फेज में शरीर और भावनाओं दोनों में बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चे खुद को दूसरों की नजर से देखने लगते हैं। उन्हें लगता है कि लोग उनके लुक्स को जज कर रहे हैं। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और शॉर्ट वीडियो भी हैं। सोशल मीडिया का बॉडी इमेज पर प्रभाव- टीनएज बॉडी इमेज पर अब तक कई स्टडीज हो चुकी हैं, जो बताती हैं कि सोशल मीडिया और इंटरनेट किशोर लड़कियों के आत्मविश्वास, मेंटल हेल्थ और खुद को देखने के नजरिए को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं। साल 2023 में 'अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन' (एपीए) की एक स्टडी के मुताबिक, टीनएज लड़कियां सोशल मीडिया पर जितना ज्यादा समय बिताती हैं, उनमें बॉडी इमेज को लेकर असंतोष उतना ही बढ़ता है। एडिटेड तस्वीरें, ब्यूटी फिल्टर्स और 'परफेक्ट बॉडी' कंटेंट देखने से टीनएजर्स में खुद की तुलना करने की आदत बढ़ती है। इससे एंग्जाइटी, लो सेल्फ-एस्टीम और ईटिंग डिसऑर्डर का रिस्क बढ़ता है। वहीं साल 2021 में 'मेटा' की इंटरनल रिसर्च लीक होने के बाद सामने आया कि इंस्टाग्राम टीनएज लड़कियों की बॉडी इमेज पर नेगेटिव असर डाल रहा है। इस स्टडी में करीब 32फीसदी किशोरियों ने माना कि जब वे अपनी बॉडी को लेकर पहले से परेशान होती थीं, तब इंस्टाग्राम उनकी समस्या और बढ़ा देता था। आइए, अब इस समस्या के समाधान पर बात करते हैं- बेटी की भावनाओं को हल्के में न लें-अक्सर माता-पिता अपनी टीनएज बेटी को समझाने के लिए तुरंत बोल देते हैं- 'तुम बिल्कुल ठीक लगती हो।' 'तुम बेवजह सोच रही हो।' 'इतनी छोटी बात पर परेशान मत हो।' हालांकि ऐसा कहने के पीछे प्यार होता है, लेकिन कई बार बेटी ये सोच सकती है कि उसकी भावनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसलिए सबसे पहले उसकी बात सुनिए। अगर वह कहती है कि उसे अपनी अलग स्पीड से होती है। सुंदरता का कोई एक तय पैमाना नहीं होता। व्यक्ति मन से सुंदर होता है। सिर्फ लुक्स की तारीफ न करें-अगर बच्चों को हमेशा सिर्फ 'तुम बहुत सुंदर लग रही हो' जैसे कॉम्प्लिमेंट मिलते हैं, तो वे अपनी पहचान को केवल लुक्स से जोड़ने लगते हैं। बेटी को यह समझाएं कि खूबसूरती सिर्फ चेहरे, रंग या शरीर तक सीमित नहीं होती। असली खूबसूरती में कई चीजें शामिल होती हैं- आत्मविश्वास, व्यवहार, दयालुता, सोच,ईमानदारी, दूसरों के प्रति सम्मान, बच्ची को बताएं कि दुनिया में हर इंसान अलग है और यही उसकी सबसे बड़ी खूबी है। इसके साथ ही आप बेटी की दूसरी खूबियों की तारीफ करें। जैसेकि- उसकी मेहनत, उसका व्यवहार, उसकी समझदारी, उसकी क्रिएटिविटी, उसकी हॉबी, उसकी दयालुता, जब बच्ची समझती है कि उसकी वैल्यू सिर्फ चेहरे या बॉडी से तय नहीं होती, तब उसका आत्मविश्वास मजबूत होता है। घर का माहौल पॉजिटिव रखें-बच्चे सिर्फ बातें नहीं सुनते, वे घर का माहौल भी महसूस करते हैं। अगर घर में बार-बार वजन, रंग, हाइट या लुक्स को लेकर बातें होती हैं, तो इसका असर बच्चों पर पड़ता है। उदाहरण के लिए-'तुम मोटी लग रही हो।' 'थोड़ा गोरा रंग होता तो अच्छा लगता।' 'कितना वजन बढ़ गया है।' ऐसी बातें बच्चे के मन में गहराई तक बैठ सकती हैं। इसलिए कोशिश करें कि घर में-बॉडी शेमिंग बिल्कुल न हो। किसी के रंग या वजन का मजाक न बने। सुंदर होने जैसी सोच को बढ़ावा न मिले। बच्ची का कॉन्फिडेंस बढाने के लिए ग्राफिक में दी गई कुछ और बातों का ध्यान रखें- बेटी के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं-कई बार बच्चे इसलिए भी ज्यादा इनसिक्योरिटी महसूस करते हैं, क्योंकि उन्हें इमोशनल सपोर्ट की जरूरत होती है। अपनी बेटी के साथ समय बिताएं। उसके साथ वॉक पर जाइए। उसकी हॉबी बढ़ाव दीजिए। उसकी बातों को ध्यान से सुनिए। साथ खाना बनाइए। जब बच्चे को लगता है कि उसे बिना किसी जजमेंट के स्वीकार किया जा रहा है, तो उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। सोशल मीडिया की तुलना बच्चों के मन में हीन भावना पैदा कर सकती है। अगर घर का माहौल सकारात्मक हो, बॉडी शेमिंग न हो और बच्चे की खूबियों को सराहा जाए, तो वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना सीखते हैं। कब सतर्क होने की जरूरत है? अगर बच्ची-खुद को कमतर आंकने लगे।खाना बहुत कम या ज्यादा खाने लगे। लोगों से मिलना-जुलना कम कर दे। हर समय अपनी फोटो को लेकर परेशान रहे। लगातार उदास या चिड़चिड़ी रहने लगे। सोशल मीडिया के बिना बेचैन महसूस करे। तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। जरूरत पड़े तो चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर की मदद लेना बेहतर है। अंत में यही कहूंगी कि आपकी बेटी को इस समय सबसे ज्यादा जरूरत 'परफेक्ट दिखने' की नहीं, बल्कि यह महसूस करने की है कि वह जैसी है, वैसी ही प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता की हकदार है। जब घर से उसे भरोसा, भावनात्मक सुरक्षा और बिना शर्त प्यार मिलेगा, तो धीरे-धीरे वह खुद को दूसरों से तुलना करने की बजाय अपनी खूबियों को पहचानना सीख जाएगी। याद रखिए, बच्चों का आत्मविश्वास एक दिन में नहीं बनता। यह रोज की छोटी-छोटी बातचीत, सपोर्ट और स्वीकार्यता से मजबूत होता है।

दिल्ली में सिंगर गुरु रंधावा के जिम पर फायरिंग,लॉरेंस गैंग ने जिम्मेदारी ली, लिखा- समझाया था सलमान से दूर रह, वह हमारा दुश्मन

जालंधर। दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में गुरुवार तड़के एक जिम के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह जिम दिल्ली में राजौरी गार्डन के रहने वाले 2 कारोबारियों का है।

इसके ब्रांड एंबेसडर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा हैं। वारदात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कुख्यात लॉरेंस गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। साथ ही गैंगस्टर हैरी बॉक्सर ने एक ऑडियो जारी कर गुरु रंधावा को जान से मारने की धमकी भी दी है। पोस्ट में गुरु रंधावा के बारे में लिखा है- इसे समझाया था कि सलमान खान से दूर रह, वह हमारा दुश्मन है, लेकिन ये उसके बहुत करीबी बन रहा था। जितने भी देशद्रोही हैं, जहां भी छिपे हैं, वहीं पर मारेंगे। हमलावरों ने जिम पर कम से कम 7 राउंड गोलियां चलाईं और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। हालांकि, वारदात में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जबरन वसूली, गैंगवार और आपसी रंजिश समेत सभी एंगल से जांच शुरू कर दी है। केयरटेकर के पहुंचने पर हुआ खुलासा-वारदात का पता तब चला जब सुबह करीब सवा 5 बजे जिम के केयरटेकर वहां पहुंचे। जिम के शीशे टूटे देख और गोलियों के निशान पाकर उन्होंने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। जांच के लिए तुरंत फोरेंसिक टीम (एफएसएल) को भी मौके पर बुलाया गया। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से खाली कारतूस और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस हमलावरों की पहचान करने के लिए जिम के आसपास और भागने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। जांच में सामने आया है कि जिस फिटनेस सेंटर पर हमला हुआ है, उसके मालिक राजौरी गार्डन के रहने वाले दो व्यवसायी हैं। वहीं, एक बेहद मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा इस जिम के ब्रांड एंबेसडर हैं। इसी वजह से इस हमले को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। रंगदारी और आपसी रंजिश के एंगल से जांच शुरू-दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, मामले की तफ्तीश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस इस मामले को फिरौती, गैंगस्टरों की आपसी रंजिश और मालिकों की किसी निजी दुश्मनी के एंगल से जोड़कर देख रही है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और बदमाशों की तलाश में छापे मारे जा रहे हैं। सामने आई पोस्ट में क्या-क्या लिखा-घटना के बाद वायरल की गई पोस्ट में लिखा है- जय महाकाल, जय श्री राम, राम राम सभी भाइयों को। जो आज ये 24HS FITNESS (24 आवर्स फिटनेस) दिल्ली में गुरु रंधावा की जिम पर जो फायरिंग हुई है, वह मैंने अनिल पंडित यूएसए और लॉरेंस ग्रुप ने की है। पोस्ट में आगे लिखा है- ये सलमान खान से कुछ ज्यादा ही करीबी हो रहा था। इसे हमने पहले भी समझाया था कि इससे दूर रहो, ये हमारा दुश्मन है, लेकिन इसको समझ नहीं आई और जितने भी हमारे दुश्मन हैं वे किसी भी कोने में छुप जाएं, जल्दी ही सबसे मुलाकात होगी। वेट एंड वॉच।पोस्ट में अंत में नोट लगाकर लिखा गया है- और

जितने भी ये देशद्रोही हैं, जो देश के खिलाफ साजिश रचते हैं, दुनिया के किसी भी कोने में छुप जाना, वहीं पर ही मारेंगे। अंत में सलाम साहिदा नू, लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप, जितेंद्र गोगी मान ग्रुप, हैरी बॉक्सर, आरजू बिश्नोई, टायसन बिश्नोई, शुभम लोंकर, हरमन संधू और अंकित सेरसा का नाम लिखा है। जिम से कैसे जुड़े गुरु रंधावा, जानिए-पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा दिल्ली के मशहूर जिम ब्रांड एनीटाइम फिटनेस के ब्रांड एंबेसडर हैं। एनीटाइम फिटनेस 24 घंटे खुला रहने वाला एक ग्लोबल फिटनेस क्लब (जिम) चेन है, और गुरु रंधावा भारत में इसके प्रमुख चेहरों में से एक हैं। गुरु रंधावा फिटनेस इंडस्ट्री में दो अलग-अलग तरह से जुड़े हुए हैं। रंधावा ने जुलाई 2025 में दिल्ली के होटल ले मेरिडियन में एक बिल्कुल नए प्रीमियम जिम ब्रांड '24Hs Fitness' का उद्घाटन किया था। इस नए जिम ब्रांड में वह न सिर्फ ब्रांड एंबेसडर हैं, बल्कि इसके को-फाउंडर भी हैं। गुरु रंधावा काफी समय से भारत में फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने के लिए एनीटाइम फिटनेस के साथ भी क्लोजली जुड़े रहे हैं और उनके कई कैंपेन्स का प्रमुख चेहरा रहे हैं। भारत में दो डायरेक्टर्स पर जिम्मेदारी-एनीटाइम फिटनेस एक ग्लोबल फ्रेंचाइजी मॉडल है। भारत में इस मास्टर फ्रेंचाइजी को चलाने और हेड करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से दो डायरेक्टर्स के पास है। विकास जैन भारत में एनीटाइम फिटनेस के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। वहीं, विशाल क्वात्रा कंपनी के डायरेक्टर हैं। अमेरिका में हुई इस ब्रांड की शुरुआत-ग्लोबल लेवल पर इसकी शुरुआत साल 2002 में अमेरिका में चक रूनियन, डेव मोटेंसेन और जेफ क्लिंगर ने मिलकर की थी। वैश्विक स्तर पर यह जिम चेन सेल्फ एस्टीम ब्रांड्स के अंतर्गत आती है। एनीटाइम फिटनेस के दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में 150 से भी ज्यादा जिम लोकेशंस हैं। फ्रेंचाइजी मॉडल होने के कारण दिल्ली के अलग-अलग इलाकों जैसेः कनॉट प्लेस, द्वारका, ग्रेटर कैलाश के पर्सनल जिम आउटलेट्स के लोकल ओनर या फ्रेंचाइजी पार्टनर्स अलग-अलग (बिजनेसमैन या इन्वेस्टर्स) होते हैं।

'अल्फा' का टीजर हुआ रिलीज, जमकर एक्शन करती दिखीं आलिया भट्ट,शाहरुख बोले- पहले दिल तोड़ती थीं, अब हड्डियां तोड़ रही हो

मुंबई। आलिया भट्ट स्टारर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की

अपकमिंग फिल्म अल्फा का टीजर बुधवार को जारी किया गया। टीजर 1 मिनट 55 सेकेंड का है, जिसमें आलिया जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैं। टीजर में कहानी एक युवा महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार आलिया निभा रही हैं। उसे बचपन से ही एक खास मकसद के लिए तैयार और ट्रेन किया जाता है। टीजर में उनके पिता बॉबी देओल उन्हें 'अल्फा' नाम के एक सीक्रेट प्रोग्राम से इंट्रोड्यूस कराते हैं, जिसे भारत के अगली पीढ़ी के सैनिकों को तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है। शाहरुख ने आलिया की तारीफ की-अल्फा का टीजर रिलीज होने के बाद शाहरुख खान ने आलिया की जमकर तारीफ की है। शाहरुख ने एक्स पर लिखा, 'बहुत बढ़िया आलिया। पहले तुम दिल तोड़ती थीं, अब हड्डियां तोड़ रही हो। तुम्हारा टैलेंट लगातार बढ़ता जा रहा है। उम्मीद है 'अल्फा' लोगों का दिल जीतेगी और सीक्वल के लिए कुछ विलेन भी बच जाएंगे। जाओ, सबको दिखा दो सिग्मा गर्ल! बॉबी सर, जब आप विलेन बनते हैं तो कमाल कर देते हैं। आपको एक बड़ी-सी झप्पी। शिव और उनकी पूरी टीम को भी ढेरों शुभकामनाएं।' फिल्म अल्फा के बारे में जानिए- अल्फा यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की 7वीं और फीमेल लीड वाली पहली फिल्म है। आलिया भट्ट फिल्म में लीड रोल प्ले कर रही हैं। शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर भी फिल्म में अहम किरदारों में हैं। ऋतिक रोशन, इस यूनिवर्स की फिल्म वॉर के किरदार कबीर का कैमियो रोल प्ले करने वाले हैं। फिल्म 3 जुलाई को रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। बॉबी ने आलिया से अनबन की खबरों को अफवाह बताया-हाल ही में बॉबी देओल ने अल्फा की शूटिंग के बीच आलिया से अनबन की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए इसे अफवाह बताया था। टीवी शो 'आप की अदालत' में उनसे आलिया से अनबन की खबरों पर सवाल किया गया था, तो एक्टर ने कहा था, 'मुझे भी किसी दोस्त ने उस खबर का स्नैपशॉट भेजा था। मैं भी हैरान था। लोग इतने वेल्ले हैं कि कुछ भी लिखकर बना देते हैं।' आगे बॉबी ने कहा था, 'मैंने अभी रणबीर के साथ फिल्म की, फिर मुझे जब पता चला कि मुझे आलिया के साथ एक फिल्म मिली है, तो मैंने सोचा कि ये हो क्या रहा है मेरे साथ, क्योंकि दोनों ही मेरे फेवरेट एक्टर हैं। दोनों के साथ मुझे काम करने को मिल रहा है। ये बहुत अच्छा है। वह कितनी अच्छी एक्ट्रेस हैं, कितनी हार्डवर्किंग हैं। कितनी प्रोफेशनल हैं। उन्हें फाइट सीक्वेंस करना हो तो वह बहुत तैयार रहती हैं।'अल्फा के बाद पठान 2 के आने की चर्चा-इस यूनिवर्स में अल्फा के बाद पठान 2 और टाइगर वर्सेस पठान की भी चर्चा है। पठान 2 को स्पाई यूनिवर्स की 8वीं फिल्म माना जा रहा है, जिसमें शाहरुख खान दिखेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पठान 2 की स्क्रिप्ट का काम पूरा हो चुका है। वहीं टाइगर वर्सेस पठान में सलमान खान और शाहरुख खान के एक साथ दिखने की चर्चा थी। फिल्म को लेकर MensXP जैसी कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सितारों की भारी-भरकम फीस के चलते इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। वहीं इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म पूरी तरह बंद नहीं हुई है, बल्कि इसे कुछ समय के लिए होल्ड पर रखा गया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।